दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 183 पृष्ठ 12, रीवा
गुरुवार 26 मार्च 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

यौन शोषण मामले में अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत

-इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली राहत, मीडिया में बयान देने पर लगाई रोक

प्रयागराज,(ईएमएस)। यौन शोषण के गंभीर आरोपों से जुड़े मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को उन्हें अग्रिम जमानत प्रदान कर दी। इसी मामले में उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी को भी कोर्ट से राहत मिली है।

न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में दोनों की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने इस दौरान एक महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किया, जिसमें शिकायतकर्ता और याचियों, दोनों पक्षों को मीडिया के सामने इस मामले में कोई भी बयान देने से परहेज करने को कहा गया है।

यह मामला प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज किया गया था, जहां पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत शंकराचार्य और उनके शिष्य समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यह कार्रवाई विशेष पॉक्सो अदालत के आदेश के बाद की गई थी,

अभी वोट देने का अधिकार छीन रहे.........
आगे एनआरसी लागू कर नागरिकता छीनने का काम होगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी, मोदी सरकार और निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला कर उन पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। सीएम बनर्जी ने उत्तर बंगाल के मैनागुड़ी में चुनावी रैली को संबोधित कर आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग ञ्मतदान के अधिकार छीन रहे हैं।ञ्उन्होंने चेतावनी दी कि मोदी सरकार का अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करके नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से कुछ समुदायों को चुनाव प्रक्रियाओं से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ञ्राजवंशियों के नाम एसआईआर के जरिए हटा दिए गए हैं।कहीं महिलाओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। अगर एसआईआर की वजह से मौतें होती हैं, तब जिम्मेदारी कौन लेगा?ञ् सीएम ममता ने कहा, आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना सीएम ममता ने जनसभा में उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे ञ्यहां मौजूद सज्जन और दिल्ली में दोनों सज्जनों को विदाञ् करें।

मुख्यमंत्री ममता ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को अधिकारों से वंचित कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत जनता है। उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर मिलीभगत से काम करने का आरोप लगाकर कहा, ञ्उन्होंने हमसे सब कुछ छीन लिया है। अब मेरे पास सिर्फ हमारी जनता है।ञ् सीएम बनर्जी से उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर निर्वाचन आयोग के छह साल पुराने दस्तावेज का हवाला देकर इसी तरह के आरोप लगाए थे।

इस दस्तावेज में कथित तौर पर भाजपा का कमल चिह्न अंकित था। उन्होंने कहा, ञ्आप छुपकर क्यों खेल रहे हैं? खुलकर सामने आइए और मुकाबला करिए। सीएम ममता ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपने साथ वकील ले जाने के लिए कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित असम में नामांकन रद्द कर दिए गए थे।

ब्लड बैंकों की अब डिजिटल निगरानी

नई दिल्ली(ईएमएस)। देशभर के ब्लड बैंकों पर अब सरकार की ञ्डिजिटलञ् नजर रहेगी। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर्स के लिए ई-रक्तकोषञ् पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। इसका मकसद देशभर में खून की उपलब्धता का एक सेंट्रलाइज्ड सिस्टम तैयार करना और कालाबाजारी रोकना है। इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह है कि ई-रक्तकोषञ् को सीधे निरीक्षण (इंस्पेक्शन) प्रक्रिया का हिस्सा बना दिया गया है।

अजित पवार प्लेन क्रैश में एफआईआर

बेंगलुरु महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

डबल डेकर बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली के करोल बाग में डबल डेकर बस के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। बस में 25 यात्री सवार थे जब यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने हादसे का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह बस राजस्थान से आ रही थी और हनुमान मंदिर चौक के पास पलट गई। तीन दिन पहले जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस चंदवाजी इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी। बाइक पर चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की दर्दनाक मौत हो गई।

जमीन अधिग्रहण मामले में नेशनल हाईवे अथॉरिटी की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट बोला

नई दिल्ल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जमीन अधिग्रहण के मामलो मे मुआवजा, सोलैटियम (अतिरिक्त राशि) और ब्याज को सरकार पर पडने वाले आर्थिक बोझ से नही जोड़ा जा सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि सही मुआवजा मिलना संवैधानिक अधिकार है। इसे कमजोर नही किया जा सकता। चीफ जस्टिश सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइया की पीठ ने यह टिप्पणी नेशनल हाईवे अथॉरिटी की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें 4 फरवरी 2025 के फैसले की समीक्षा मांगी गई थी।

पश्चिम एशिया संकट पर सर्वदलीय बैठक, रणनीति और सुरक्षा पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण हालात को लेकर केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक बुधवार शाम को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस महत्वपूर्ण बैठक में सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जहां मौजूदा स्थिति, भारत के हितों और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई और सुरक्षा पर मंथन किया गया।

सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े प्रमुख मंत्री मौजूद रहे। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और विदेश सचिव विक्रम मिस्री की उपस्थिति को अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई है। इसमें क्षेत्रीय तनाव, भारत के रणनीतिक हित, ऊर्जा आपूर्ति और वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर जानकारी साझा की गई। सरकार का उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों को स्थिति से अवगत कराते हुए एक समन्वित राष्ट्रीय दृष्टिकोण तैयार करना है। सूत्र बताते हैं, कि बैठक में भारत की कूटनीतिक रणनीति, नागरिकों की सुरक्षा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई है। गौरतलब है कि विपक्ष ने संसद में इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के बाद सर्वदलीय बैठक की मांग की थी।

इस अहम बैठक में विपक्ष की ओर से कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, बीजद के सस्मित पात्रा, जेडीयू के ललन सिंह और संजय झा, सीपीआई(एम) के जॉन ब्रिटास तथा आम आदमी पार्टी के संजय सिंह शामिल हुए। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस बैठक से दूरी बनाई और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इसमें शामिल नहीं हुए।

24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड के ऑफिस खाली करने कांग्रेस को नोटिस

-दोनों संपत्तियां के लिए 28 मार्च है डेडलाइन, पार्टी के वरिष्ठ नेता ने की पुष्टि

नई दिल्ली, भारत के राजनीति के सबसे ऐतिहासिक पतों में से एक, 24 अकबर रोड, अब कांग्रेस पार्टी के हाथ से निकल सकता है। केंद्र सरकार ने कांग्रेस को दिल्ली स्थित अपने दो प्रमुख कार्यालयों—24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड को खाली करने का बेदखली नोटिस जारी किया है। नोटिस के मुताबिक पार्टी को ये दोनों संपत्तियां 28 मार्च तक खाली करनी होंगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इसकी पुष्टि की है कि नोटिस कुछ दिन पहले ही मिले थे, जिससे पार्टी के पास कानूनी और राजनीतिक बचाव के लिए बहुत कम समय बचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय 24 अकबर रोड और एक और अहम जगह 5 रायसीना रोड के लिए बेदखली के नोटिस दिए गए हैं और खाली करने की आखिरी तारीख 28 मार्च तय की गई है। इससे कांग्रेस के अंदर बढ़ी बेचैनी है क्या वह इन दो राजनीतिक रूप से अहम संपत्तियों पर अपना कब्जा बरकरार रख पाएगी। पार्टी अब अपने अगले कदमों पर विचार कर रही है, जिसमें अदालत जाना और सरकार से और समय मांगना शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस संपत्ति के आवंटन को फिर से व्यवस्थित करने के लिए थोड़े और समय का अनुरोध कर सकती है। विचाराधीन विकल्पों में से एक यह है कि किसी सीनियर नेता को राज्यसभा में लाया जाए और बंगला उनके नाम पर आवंटित करवाया जाए, जिससे वह लगातार इस्तेमाल के लिए योग्य हो जाए।

सोनिया गांधी की सेहत स्थिर, राहुल गांधी ने केरल दौरा टाला

-सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस-नेत्री की हालत नियंत्रण में; डॉक्टरों की निगरानी जारी

नई दिल्ली,। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की तबीयत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। उन्हें मंगलवार रात दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए है। अस्पताल प्रशासन ने बुधवार को जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया कि सोनिया गांधी को रात 10:22 बजे अस्पताल लाया गया था और उनकी स्थिति नियंत्रण में है। इस बीच बेटे राहुल गांधी ने अपना केरल दौरा टाल दिया है।

गंगाराम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक उन्हें पेट और यूरिनरी इंफेक्शन की शिकायत थी, जिसके चलते जांच की जा रही है। इलाज के तहत उन्हें एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं ताकि संक्रमण को जल्द नियंत्रित किया जा सके। सूत्रों का कहना है कि मौसम में बदलाव भी उनकी तबीयत बिगड़ने की एक वजह हो सकता है।

इस बीच, कांग्रेस सांसद और उनके बेटे राहुल गांधी ने अपनी मां की सेहत को देखते हुए अपना केरल दौरा रद्द कर दिया है। राहुल गांधी को बुधवार को केरल में चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लेना था,

गुजरात में यूसीसी विधेयक पास..........शाह ने समानता की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया

गांधीनगर,। गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 का पारित होना भारतीय राजनीति और कानूनी ढांचे में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फैसले का स्वागत कर देश के सभी नागरिकों के लिए समानता सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने 31 जनवरी 2026 को अपने संदेश में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का शुरू से ही उद्देश्य रहा है कि देश के हर नागरिक के लिए एक समान कानून लागू होगा।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्य इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी यूसीसी लागू कर एक महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किया है। उन्होंने उपलब्धि के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य विधानसभा के सभी विधायकों को बधाई दी। केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि देश का संचालन तुष्टीकरण की राजनीति पर नहीं, बल्कि समानता और न्याय के सिद्धांतों पर होना चाहिए। उनके अनुसार, समान नागरिक संहिता सभी नागरिकों को समान अधिकार देने की दिशा में एक मजबूत कदम है और यह सरकार की प्राथमिकता और संकल्प दोनों को दर्शाता है।

ईंधन संकट को लेकर देशभर में अफरा-तफरी का महौल, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें

सरकार ने कहा– अफवाहों पर ध्यान न दें, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता

-लोगों से पैनिक खरीदारी नहीं करने की अपील

नई दिल्ली,। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैली अफवाहों ने आमजन में घबराहट पैदा कर दी है। नोएडा, हैदराबाद, नागपुर सहित मध्य प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं। लोग डिब्बों और बोतलों में भी ईंधन भरवाने के लिए उमड़ पड़े, जिससे कई स्थानों पर अस्थायी रूप से स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई।

अनेक जगहों पर तो स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कई पंपों पर ञ्नो स्टॉकञ् के बोर्ड लगाने पड़े, हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह वास्तविक कमी नहीं, बल्कि अचानक बढ़ी मांग का परिणाम है। अधिकारियों के अनुसार, देश में ईंधन की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। यहां मध्य प्रदेश के उज्जैन, इंदौर, देवास, मंदसौर, बुरहानपुर और झाबुआ में भी यही हाल देखने को मिला। उज्जैन में तो मंगलवार रात से ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जिसके चलते कई पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा और स्थिति संभालने के लिए पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

इस संबंध में प्ट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि अफवाह फैली है कि जल्द ही पेट्रोल पंप बंद हो सकते हैं, जिसके कारण लोग घबराहट में जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीद रहे हैं। हैदराबाद और नागपुर में भी सप्लाई सामान्य रहने के बावजूद लोगों की भीड़ कम नहीं हो रही है।

इसी बीच, एलपीजी गैस को लेकर भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अयोध्या, आगरा, उदयपुर और वडोदरा सहित कई शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

कई लोग सिलेंडर पाने के लिए घंटों, बल्कि

बिलासपुर में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता, रोकथाम की कार्रवाई शुरू

-संक्रमण के कारण 4,400 मुर्गियों की मौत, 10 किमी तक की जा रही निगरानी

बिलासपुर,(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कोनी इलाके में स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों 4,400 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर रोकथाम की कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 19 से 24 मार्च के बीच कोनी इलाके में स्थित सरकारी पोल्ट्री फ़ार्म में वायरल संक्रमण के कारण करीब 4,400 मुर्गियों की मौत हो गई। इस फार्म में कुल 5,037 मुर्गियां थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि मृत पक्षियों के सैंपल सोमवार को भोपाल और पुणे की लैब में भेजे गए थे। भोपाल की लैब ने मृत मुर्गियों में एवियन इन्फ्लूएंज़ा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एवियन इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रोकथाम और बचाव के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं।

बयान में कहा गया है कि फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र और 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित क्षेत्र के अंदर पोल्ट्री पक्षियों, उनके चारे और अंडों को नष्ट कर दिया जाएगा और उनके आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री पक्षियों के मालिकों को मुआवज़ा दिया जाएगा। मुर्गियों को मारने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फार्म को सील कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्र में संक्रमित पक्षियों को मारने, उनका सुरक्षित निपटान करने, निगरानी रखने और सैनिटाइज़ेशन के उपाय करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें गठित की गई हैं।

महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा कानून महाराष्ट्र विधान परिषद में मंजूर

एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान बताना होगा अपराध

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र विधान परिषद ने महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े एक अहम कानून को मंजूरी देकर सख्त रुख दिखाया है। एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखने और ऑनलाइन यौन उत्पीड़न पर कड़ी सजा देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। यह कानून ऐसे अपराधों पर रोक लगाने और पीड़ितों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह कानून महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को रोकने में मदद करेगा।

इस कानून के तहत भारतीय न्याय संहिता (महाराष्ट्र संशोधन) विधेयक 2026 को सर्वसम्मति से पास किया गया। इससे पहले यह विधेयक विधानसभा से भी पारित हो चुका था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि 2020 में शक्ति बिल लाया गया था, जिसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया था, लेकिन बाद में इसे वापस भेज दिया गया। इसके बाद केंद्र सरकार ने नया कानून बनाया, जिसे भारतीय न्याय संहिता कहा जाता है और यह जुलाई 2024 से लागू है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

दस वर्षों में करीब 80 प्रतिशत कारें हो जाएंगी ऑटोमैटिक : गुप्ता

नई दिल्ली। कार खरीदने वाले लोग आजकल गियर बदलने और क्लच दबाने की पारंपरिक प्रक्रिया से तेजी से दूर होते जा रहे हैं। आने वाले लगभग दस वर्षों में देश की करीब 80 प्रतिशत कारें ऑटोमैटिक हो जाएंगी। यह कहना है स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता का। उनका मानना है कि इसका स्पष्ट संकेत है कि अब उपभोक्ता ड्राइविंग में मेहनत की बजाय सुविधा और आराम को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी कारण मैनुअल गियरबॉक्स की लोकप्रियता में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

जल्द आ रहा महिंद्रा की थार और स्कॉर्पियो-एन का नया फेसलिफ्ट अवतार

नई दिल्ली। अगर आप महिंद्रा थार या महिंद्रा स्कार्पियो-एन खरीदने का विचार कर रहे हैं, तो थोड़ा इंतजार करना फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि जल्द ही इनके फेसलिफ्ट मॉडल बाजार में आने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो-एन को सबसे पहले अपडेट मिलने की संभावना है। 2022 में लॉन्च हुई इस एसयूवी को अब नए डिजाइन के साथ पेश किया जाएगा, जिसमें फ्रंट में नई रेडिएटर ग्रिल, अपडेटेड बंपर और नया एयर इनटेक शामिल हो सकता है। इसके साथ ही नई डिजाइन की हेडलाइट्स, 18-इंच के नए अलॉय व्हील्स और रियर में अपडेटेड टेललैंप्स भी देखने को मिल सकते हैं।

100 डॉलर के नीचे आया कच्चा तेल फिर भी पेट्रोल-डीजल महंगा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ तनाव कम करने के संकेत के बाद तेल की सप्लाई को लेकर चिंता घटी है, जिससे कीमतों पर दबाव आया है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड करीब 6 फीसदी गिरकर 97.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 87 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है। हालांकि, ग्लोबल स्तर पर आई इस गिरावट का असर भारत में उल्टा दिखाई दे रहा है। देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए हैं।

इंडिगो में प्रबंधन बदलाव, आलोक सिंह बने मुख्य रणनीति अधिकारी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रमुख आलोक सिंह को अपना नया मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया है। वह 6 अप्रैल 2026 से अपने पद पर कार्यभार संभालेंगे। यह कदम कंपनी की रणनीति को मजबूत करने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

एलपीजी बुकिंग समयसीमा में कोई बदलाव नहीं सरकार ने अफवाहों को किया खारिज

- 35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर

नई दिल्ली। हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियम बदल दिए गए हैं। इन दावों के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयवाय) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले जैसी ही रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की अवधि सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और अनावश्यक बुकिंग से बचें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कोई कमी की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोल और डीजल का भंडार भी पर्याप्त है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का विस्तार भी तेजी से हो रहा है।मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे निगरानी और वितरण व्यवस्था को मजबूत करें, ताकि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू बनी रहे। पेट्रोलियम मंत्रालय ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें और जरूरत के अनुसार ही एलपीजी बुकिंग करें। सरकार लगातार आपूर्ति को मजबूत करने और नए स्रोत जोड़ने के प्रयास कर रही है।

घरेलू गैस बुकिंग में नए नियम, सालाना कोटा अब सख्त

- पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए 25 दिन इंतजार करना होगा

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में ब?ते तनाव के बीच सरकार ने घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। अब भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) ग्राहकों को महीने में केवल दो सिलेंडर ही बुक करने की अनुमति देगा। इससे अधिक बुकिंग करने की कोशिश करने पर सिस्टम ऑटोमैटिक ब्लॉक कर देगा या कड़ी पूछताछ होगी। सरकार हर वित्तीय वर्ष (अप्रैलङ्कमार्च) में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देती है। इसके अलावा ग्राहक साल भर में 3 अतिरिक्त सिलेंडर बिना सब्सिडी के ले सकते हैं। कुल मिलाकर एक कनेक्शन पर साल में 15 सिलेंडर ही उपलब्ध होंगे। पिछले नियमों के अनुसार दो सिलेंडरों के बीच 21 दिन का अंतर था। नए नियम के तहत अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है।

मारुति सुजुकी 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहन भेजने की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत करेगी: सीईओ

- वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि ?वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में हमारी आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स में रेल परिवहन की हिस्सेदारी 2016 के पांच प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा ?कि हमारी योजना 2030-31 तक रेल आधारित वाहन ढुलाई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। यह कुशल और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स विकसित करने तथा भारत के शुद्ध शून्य लक्ष्य में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कंपनी के अनुसार मानेसर रेलवे साइडिंग भारत में मोटर वाहन क्षेत्र की सबसे बड़ी इकाई के भीतर स्थापित रेलवे सुविधा है। वहीं गुजरात रेलवे साइडिंग के बाद यह मोटर वाहन उद्योग तथा कंपनी के लिए दूसरा पीएम गतिशक्ति इन-प्लांट टर्मिनल है। इस रेलवे साइडिंग के माध्यम से कंपनी 17 केंद्र के जरिये 380 शहरों तक वाहनों की आपूर्ति कर रही है, जिसके लिए समर्पित 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे साइडिंग में हब-एंड-स्पोक मॉडल एक केंद्रीकृत माल ढुलाई प्रणाली है। इसमें प्रमुख रेलवे साइडिंग हब (केंद्र) के रूप में कार्य करती है, जहां दूर-दराज के स्थानों या छोटे स्टेशन (स्पोक) से माल सड़क मार्ग से लाया जाता है। केंद्र पर माल इकट्ठा कर रेल द्वारा आगे लंबी दूरी के लिए भेजा जाता है।

एसएंडपी ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली । एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि कीमतों का पूरा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के आसार नहीं हैं। एसएंडपी ने कहा ?कि हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। एसएंडपी के अनुसार महंगाई के कम स्तर से सामान्य पर आने से वित्त वर्ष 2026-27 में इसके बढ़कर 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों से व्यापार घाटा बढ़ने का अनुमान है, हालांकि सेवाओं के व्यापार में मजबूत अधिशेष से चालू खाते के घाटे को सीमित रखने में मदद मिलेगी।

एमजी विंडसर ईवी बनी छोटे शहरों की पसंदीदा कार

नई दिल्ली। भारत के छोटे शहरों में बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की एमजी विंडसर ईवी ने अहम भूमिका निभाई है। जानकारी के अनुसार, कंपनी एमजी विंडसर की कुल बिक्री का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा छोटे शहरों से आ रहा है, जबकि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों की हिस्सेदारी सिर्फ 30 प्रतिशत है।

अक्टूबर 2024 में लॉन्च के बाद से अब तक इस कार की करीब 65,000 यूनिट्स बिक चुकी हैं, जो यह दर्शाती हैं कि छोटे शहरों के ग्राहक अब इलेक्ट्रिक गाड़ियों को तेजी से अपना रहे हैं। कंपनी के अधिकारियों का मानना है कि पहले ईवी की पहुंच सीमित थी, लेकिन अब किफायती विकल्प और बेहतर प्रोडक्ट्स के कारण स्थिति बदल रही है। छोटे शहरों में बढ़ती जागरूकता और कम ऑपरेटिंग लागत ने लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित किया है। यही वजह है कि कंपनी अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है। फिलहाल देशभर में उसके 541 सेल्स और सर्विस सेंटर हैं, जिनमें से अधिकांश नॉन-मेट्रो क्षेत्रों में स्थित हैं। कीमत की बात करें तो एमजी विंडसर ईवी की शुरुआती कीमत करीब 14 लाख रुपये से 18.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक है।

वहीं 'बैटरी एज ए सर्विस' (बास) मॉडल के तहत इसे लगभग 9.99 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है, जिसमें ग्राहक को बैटरी के लिए अलग से मासिक सब्सक्रिप्शन देना होता है। यह मॉडल ईवी को ज्यादा किफायती बनाता है। फीचर्स के मामले में भी यह कार काफी आगे है। इसमें बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक रूफ, वेंटिलेटेड सीट्स और एडवांस सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही यह दो बैटरी विकल्पों के साथ आती है, जो एक बार चार्ज करने पर 332 से 449 किलोमीटर तक की रेंज देती है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी आईकार वी 23 मचाएगी हलचल

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू ग्रुप और चीन की कंपनी चेरी ऑटोमोबाइल की साझेदारी से बनी इलेक्ट्रिक एसयूवी आईकार वी 23 की लॉचिंग की तैयारी तेज हो गई है। इस एसयूवी को हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन के पास टेस्टिंग के दौरान देखा गया है।

टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों में इसकी रोड प्रेजेंस और रियर डिजाइन झलकता है, हालांकि वाहन पूरी तरह कैमोफ्लाज से ढका हुआ था। इस अपकमिंग एसयूवी का डिजाइन 'लाइफस्टाइल एसयूवी' कैटेगरी को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इसका बॉक्सी और चौकोर रियर डिजाइन इसे रफ-एंड-टफ अपील देता है। टेस्ट म्यूल में स्टील व्हील्स देखने को मिले, जिससे संकेत मिलता है कि यह शुरुआती प्रोटोटाइप है और कंपनी फिलहाल बेस वेरिएंट्स पर फोकस कर रही है। इसके बावजूद इसकी मस्कुलर बॉडी और ऊंचा स्टांस इसे एक मजबूत रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं। मैन्युफैक्चरिंग की बात करें तो इस एसयूवी को भारत में ही असेंबल किया जाएगा।

जेएसडब्ल्यू मोटर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में अपना नया प्लांट स्थापित कर रही है, जहां अगस्त 2026 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। इस साझेदारी के तहत कई नई गाड़ियां लॉन्च की जाएंगी, जिनमें इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड मॉडल शामिल हैं। ग्लोबल स्पेसिफिकेशन के अनुसार आईकार वी23 में सिंगल मोटर रियर-व्हील ड्राइव और डुअल मोटर ऑल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्प मिलते हैं।

इसमें 47 केडब्ल्यूएच से लेकर 80 केडब्ल्यूएच तक के बैटरी पैक उपलब्ध हो सकते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 500 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम हैं। उम्मीद है कि भारत में भी इसी के आसपास स्पेसिफिकेशन देखने को मिलेंगे।

टोयोटा लेंड क्रूजर एफजे थाइलैंड में लॉन्च

नई दिल्ली। टोयोटा मोटर कारपोरेशन ने अपनी नई टोयोटा लेंड क्रूजर एफजे को थाइलैंड में लॉन्च कर दिया है। भारतीय एसयूवी बाजार में एक और बड़ा नाम जुड़ गया है।

इसे फॉर्च्यूनर का किफायती विकल्प माना जा रहा था, लेकिन थाइलैंड में इसकी कीमत ने इस धारणा को बदल दिया है। वहां यह एसयूवी टोयोटा फार्च्यूनर के डीजल वेरिएंट से भी महंगी है, जिससे इसकी प्राइसिंग को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। थाइलैंड में लैंड क्रूजर एफजे के पेट्रोल वेरिएंट की कीमत करीब 1.269 मिलियन इ।।ऊ रखी गई है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 36 लाख रुपये के आसपास बैठती है। वहीं फॉर्च्यूनर लीडर डीजल वेरिएंट की कीमत इससे थोड़ी कम है। ऐसे में यह साफ संकेत मिलता है कि यह मॉडल वैश्विक बाजार में एक प्रीमियम पोजिशनिंग के साथ पेश किया गया है।

भारत में इसके लॉन्च को लेकर भी संभावनाएं जताई जा रही हैं और उम्मीद है कि यह एसयूवी इसी साल भारतीय बाजार में दस्तक दे सकती है। डिजाइन की बात करें तो लैंड क्रूजर एफजे में रेट्रो और मॉडर्न एलिमेंट्स का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है। इसका बॉक्सी लुक, सीधा स्टांस, राउंड हेडलाइट्स और फ्लैट बोनट इसे क्लासिक लैंड क्रूजर की झलक देते हैं, जबकि एलईडी लाइटिंग और बड़े अलॉय व्हील्स इसे आधुनिक अपील प्रदान करते हैं। इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और प्रीमियम डैशबोर्ड लेआउट मिलने की उम्मीद है।

ईरान ने कहा, नये नियमों के तहत होर्मुज से निकल सकते हैं विदेशी जहाज

- सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा

नई दिल्ली। ईरान ने कहा है कि विदेशी जहाज अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर सकते हैं, लेकिन उन्हें ईरानी नियमों का पालन करना होगा और किसी भी तरह की आक्रामक गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन को भेजे गए 22 मार्च के एक पत्र में दी।

पत्र के अनुसार सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। सूत्रों के मुताबिक ईरान ने कुछ व्यावसायिक जहाजों से ट्रांजिट शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है। इस कदम से यह साफ संकेत मिलता है कि दुनिया के सबसे अहम समुद्री ऊर्जा मार्ग पर ईरान का नियंत्रण बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस जलमार्ग पर जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी, और फिलहाल केवल कुछ ही जहाज ईरान के तट के पास से होकर गुजर रहे हैं।

ईरान ने स्पष्ट किया कि केवल गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को अनुमति दी जाएगी। जहाजों को ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई में शामिल नहीं होना चाहिए और तय सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। जिन देशों को ईरान आक्रामक मानता है, उनके जहाजों के गुजरने पर रोक रहेगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नियंत्रण तेल, गैस, खाद्य सामग्री और धातुओं की आपूर्ति पर सीधे असर डालता है। इस मार्ग पर व्यवधान से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई है। एशियाई देशों में गैस की कमी और ईंधन की राशनिंग की आशंका बढ़ी है। निवेशक स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं, और आवाजाही बढ़ी तो तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

पुणे के ऑटोमोबाइल हब पर कच्चे माल और जरूरी पुर्जों की कमी, उत्पादन ठप

-इस संकट का असर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं, रोजगार पर भी पड़ रहा

पुणे। देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र पुणे के ऑटोमोबाइल हब पर कच्चे माल और जरूरी पुर्जों की कमी का असर पड़ रहा है। एलपीजी, कच्चे माल और ऑटो पार्ट्स की आपूर्ति बाधित होने से कई कंपनियों के सामने उत्पादन बंद करने की स्थिति बन गई है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां केवल एक सप्ताह का स्टॉक रखती हैं।

मौजूदा आपूर्ति संकट के चलते यह स्टॉक खत्म हो रहा है, जिससे बड़ी कंपनियों को भी उत्पादन घटाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो कई इकाइयों में पूरी तरह उत्पादन ठप हो सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विकास आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबंधित अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर हालात का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए।

प्रशासन आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू करने के उपायों पर विचार कर रहा है, ताकि उद्योगों को राहत मिल सके। इस संकट का असर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार पर भी पड़ रहा है। काम की कमी के चलते बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय कामगार अपने गांवों की ओर लौटने लगे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर श्रम बल की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और पुर्जों की आपूर्ति जल्द बहाल नहीं हुई, तो इसका असर देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर पर पड़ सकता है। फिलहाल सभी की नजरें सरकार और उद्योग जगत के प्रयासों पर टिकी हैं, ताकि इस संकट का जल्द समाधान निकाला जा सके।

इन्फोसिस बोर्ड के सामने बड़ा फैसला, पारिख का तीसरा कार्यकाल या नई शुरुआत?

- पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को मजबूती प्रदान की

नई दिल्ली। इन्फोसिस के इतिहास में 2027 वर्ष महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि 31 मार्च को कंपनी के सीईओ सलिल पारिख का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को स्थिरता और मजबूती प्रदान की। अब बोर्ड के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि तेजी से बदलते एआई के दौर में कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा। सूत्रों के अनुसार पारिख को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जा सकता है, लेकिन यह शायद छोटा (1-2 साल) होगा। इसके विकल्प के रूप में बोर्ड उन्हें चेयरमैन बना सकता है और नए सीईओ की नियुक्ति कर सकता है। औपचारिक घोषणा जून में होने वाली वार्षिक आम बैठक में की जा सकती है। इन्फोसिस की सेवानिवृत्ति नीति के अनुसार कार्यकारी निदेशकों की उम्र 60 वर्ष है। पारिख पहले ही इस उम्र को पार कर चुके हैं, लेकिन बोर्ड और शेयरधारकों की मंजूरी से कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। एचएफएस रिसर्च के संस्थापक फिल फर्स्ट का कहना है कि पारिख का तीसरा कार्यकाल निवेशकों के लिए मिश्रित संदेश दे सकता है। एक ओर यह स्थिरता का संकेत देगा और पारिख के अनुभव, अनुशासन और निवेशकों व ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध को कायम रखेगा। दूसरी ओर, कुछ निवेशक यह सवाल कर सकते हैं कि क्या इन्फोसिस तेजी से बदलते एआई युग में खुद को अनुकूल बना पा रही है। पारिख ने 2023-24 में एआई-प्रथम रणनीति लागू की और 2025-26 की तीसरी तिमाही में एआई-संबंधित राजस्व कुल आय का 5.5 फीसदी था। कंपनी ने दूरसंचार वित्तीय सेवाओं,और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में एआई समाधान विकसित करने के लिए साथ साझेदारी की है। उनके

सीधी, सिंगरौली प्रभा

गुरूवार, 26 मार्च 2026

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल आज मैहर आयेंगे

मैहर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 26 मार्च को प्रातः 5.40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल प्रातः 9 बजे मां शारदा देवी के दर्शन करेंगे। तत्पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल प्रातः 10 बजे मैहर से कार द्वारा रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर प्राकट्य पर्व 27 मार्च को चित्रकूट में

सतना भगवान श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुति प्रचलित है, जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा अनुरूप धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है।

90 प्रतिषत से कम ऋण वसूली की 67 सहकारी समितियों को नोटिस

सतना कलेक्टर एवं प्रशासक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले की खरीफ 2025 में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की 90 प्रतिशत से कम वसूली करने वाली 67 सहकारी समितियों के प्रबंधक और सहायक समिति प्रबंधक को नोटिस जारी कर शाखा के माध्यम से अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज कोठी में

सतना शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 30 मार्च 2026 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 26 मार्च को नगर परिषद एवं जनपद पंचायत कोठी तथा 30 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

जिला सलाहकार समिति की बैठक आज

सतना गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एण्ड पीएनडीटी) के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में सायं 4 बजे से आयोजित की गई है।

सीईओ जिला पंचायत ने किया भरत घाट का निरीक्षण

सतना चैत्र नवरात्रि श्रीराम नवमी के अवसर पर गत वर्षों की भांति 27 मार्च को चित्रकूट का गौरव दिवस मनाया जायेगा। इस मौके पर सम्पूर्ण चित्रकूट में 21 लाख दीपों को प्रज्जवलित किया जायेगा तथा मां मंदाकिनी के भरत घाट पर श्रीराम प्राकट्य पर्व भी आयोजित होगा।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक आज

सतना अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में 26 मार्च को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट में आयोजित गई है।

रामपुर नैकिन में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। व्यवहार न्यायालय रामपुर नैकिन में शिविर में द्वितीय जिला न्यायाधीश प्रकाश कसेर द्वारा पक्षकारों एवं वकीलों को जमानत के संबंध में सुसंगत विधि एवं प्रक्रिया समझाई गयीए जिसमें उन्हे बताया गया कि विभिन्न मामलों में जब कोई व्यक्ति गिरफ्तार होता है तो किन प्रावधानों में जमानत हेतु आवेदन किया जा सकता है।

नाट-अटेण्ड और निम्न गुणवत्ता से बंद षिकायतें मिलने पर वेतन कटेगा :कलेक्टर

चालू माह और 50 दिवस से ऊपर की षिकायतों पर करें फोकस

मैहर कीर्तिप्रभा कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में मैहर जिला इस बार अंतिम पायदान के चौथे स्थान पर रहा है। सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग की चालू माह की शिकायतों और 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर फोकस कर निराकृत करावे। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के नाट-अटेण्ड रहने और निम्न गुणवत्ता से बंद होने पर संबंधित अधिकारी को नोटिस नहीं जारी होगी, बल्कि सीधे वेतन में कटौती की जायेगी।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में यह निर्देश दिये गये। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, सीईओ जनपद अशोक तिवारी, वेदमणि मिश्रा, भारती दीक्षित सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर रानी बाटड ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में सी और डी ग्रेड में रहे विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन में स्वास्थ्य विभाग की 4, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और कृषि उपज मंडी की एक-एक सहित कुल 6 शिकायतें नाट-अटेण्ड पाई गईं। जिसमें सिविल सर्जन आरएन पाण्डेय, मंडी के रामफल साकेत और पीएचई के अरूण मिश्रा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस से ऊपर की मैहर जिले में 4763 शिकायतें लंबित है। इनमें खाद्य 1392, ऊर्जा 99, नगरीय विकास 126, पंचायत ग्रामीण विकास 133, महिला बाल विकास 1020, राजस्व 1082, स्वास्थ्य 170 और पीएचई की 244 शिकायतें शामिल है। सामाजिक न्याय विभाग की 44 शिकायतें लंबित होने और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भुगतान में देरी होने पर उप संचालिक सामाजिक न्याय राजीव सिंह को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन की प्रतिदिन समीक्षा शाम को कलेक्टर द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाती है। सूचना के बावजूद वीसी से नहीं जुडने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी मैहर, अमरपाटन, रामनगर के प्रति अप्रसन्नता जताते हेतु कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने कहा कि 26 मार्च को कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस है। सभी एजेण्डा बिन्दुओं की अपडेट जानकारी आज दोपहर तक प्रस्तुत करें।

व्हीआईपी प्रतिबंध के बावजूद मंत्री का गर्भगृह में विशेष पूजन श्रद्धालुओं के साथ भेदभाव

मैहर कीर्तिप्रभा चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान मां शारदा धाम में व्हीआईपी दर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस पूरे मामले को लेकर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने प्रशासन और व्यवस्था पर तीखा आरोप लगाया है।

उन्होंने जारी बयान में कहा कि मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समितिए मैहर द्वारा 17 मार्च 2026 को जारी आधिकारिक पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि 19 मार्च से 27 मार्च तक नवरात्रि मेले की अवधि में किसी भी प्रकार के टप्व्व्विशेष दर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे ताकि लाखों श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के दर्शन मिल सकें।

प्रभात द्विवेदी ने कहाँ कि

पत्र में यह भी अपील की गई थी कि कोई भी विशिष्ट व्यक्ति टप्च् दर्शन की मांग न करे और मेला व्यवस्था में सहयोग प्रदान करेए लेकिन इसके विपरीत जो स्थिति सामने आई है । यह आदेशों की अवहेलना को दर्शाती है। वीडियो में साफ दिख रहा है पूरा घटनाक्रम कि प्रदेश की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने भारी भीड़ के बीच गर्भगृह के अंदर बैठकर लंबे समय तक पूजा.अर्चना की जबकि उसी दौरान हजारों श्रद्धालु घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

उन्होंने आरोप लगाया कि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी आम श्रद्धालुओं को तेजी से आगे बढ़ाते रहे जबकि दूसरी ओर टप्प् मार्ग से विशेष लोगों को तुरंत दर्शन कराए जाते रहे। श्री द्विवेदी ने बताया कि इसी तरह मंगलवार की रात आरती के उपरांत लौटने वाले सामान्य दर्शनार्थियों को कई बार काफी समय के लिए रोका गया और जो निकासी मार्ग रोववे का है वहा तैनात दो गार्ड काफी संख्या में वीआईपी के नाम पर बड़ी संख्या मे लोगों को रोववे स्टेशन मे अन्दर आने दिया जिसे आम भक्त परेशन होते रहे। यह स्थिति सीधे तौर पर आम श्रद्धालुओं की आस्था के साथ अन्याय है।

महाष्टमी को मांता के 8वें स्वरूप में महागौरी की पूजा

मैहर। नवरात्र की महाष्टमी को मांता दुर्गा के 8वें स्वरूप में महागौरी की पूजा की जाती है। मां शारदादेवी शक्तिपीठ के पुजारी रमेश पांडेय बमबम महाराज ने बताया कि भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए मांता पार्वती ने कठोर तपस्या की जिससे उनका शरीर काला पड़ गया। तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें गंगाजल से धोया जिससे वे अत्यंत गौर वर्ण की हो गई और महागौरी कहलाईं। मांता पार्वती ने शिव को प्रसन्न करने के लिए अन्न जल का त्याग कर दिया था। मांता ने बेल के पत्ते और अंत में सूखे पत्ते खाना भी छोड़ दिया था जिसके कारण उन्हें अपरणा नाम से भी जाना जाता है। महागौरी का वाहन बैल है।

नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने संभाला पदभार

सीधी। जिले के नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने बुधवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करते ही कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रशासनिक सक्रियता का परिचय दिया है। पद संभालने के तुरंत बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और अधिकारियों. कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से जुड़े मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

पदस्थापना के बाद कलेक्टर श्री मिश्रा सबसे पहले कलेक्ट्रेट पहुंचेए जहां उनका अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने राजस्वए सामाजिक न्यायए महिला एवं बाल विकास सहित कई शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फाइलों के निपटानए रिकॉर्ड संधारण और कार्यालयीन व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

अपहरण व दुष्कर्म मामले मे फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक मैहर के निर्देशन मे अनु.अधि.पुलिस अमरपाटन ख्याति मिश्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी ताला निरीण् महेन्द्र मिश्रा की टीम ने बलात्कार के नाबालिग पीड़ीता का अपहरण व दुष्कर्म करने के मामले मे मुख्य आरोपी को किया गया गिरफ्तार'घटना विवरण मामले का संक्षिप्त विवरण यह है कि दिनांक 17/12/25 को ताला थाना क्षेत्रान्तर्गत निवासरत फरियादी ने अपनी नाबालिग लड़की के अपहरण संबंधी रिपोर्ट दर्ज करायी थी जिस पर थाना ताला मे अपराध क्रमांक 379ध्25 धारा 137;2द्ध बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना दौरान नाबालिग पीड़िता को दस्तयाब करने पर पीड़िता द्वारा अपने बयान मे गोविन्द यादव निवासी धौसड़ा द्वारा अपने साथी पिन्टू पाव व बंटा कोल के साथ मिलकर अपहरण करना बाद महाराष्ट्र ले जाकर दुष्कर्म करना बताये जाने पर प्रकरण मे धारा भाण्न्याण्संण्ए 5;स/6 पाक्सो एक्ट व 3;1/;ूपद्धए 3;2/अद्ध एस.सी.एस.टी.एक्ट बढ़ाई जाकर फरार आरोपी गोविन्द यादव की तलाश की जा रही थी जो दिनांक 24ण्03ण्26 को मुख्य आरोपी गोविन्द यादव पिता राजबहोर यादव उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम धौसड़ा थाना ताला जिला मैहर ;मण्प्रण्द्ध को गिरफ्तार किया जाकर एवं आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है ए प्रकरण के सह आरोपी अजीत उर्फबंटा रावत एवं प्रसंद उर्फपिन्टू पाव को पूर्व मे गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया है जो न्यायिक अभिरक्षा मे है। गिरफ्तार आरोपी.' गोविन्द यादव पिता राजबहोर यादव उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम धौसड़ा थाना ताला जिला मैहर है।

संगठन की विशिष्ट विचारधारा और कार्य पद्धति हमें अन्य दलों से अलग बनाती है :योगेंद्र शुक्ला

दीनदयाल प्रशिक्षण महा अभियान के तहत सूरा मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण कदैला केण्सी एसटी भवन में आयोजित किया गया जिसका समापन सत्रबुधवार को सुबह 10रू00 बजे से आयोजितकिया गया जिसके मुख्य वक्ता योगेंद्र शुक्ला नेकहा कि प्रशिक्षण से न केवल कार्यकर्ताओं का व्यक्तित्व उभरता है। बल्कि संगठन को भी शक्ति और दिशा मिलती है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को सिर्फ पार्टी के लिए नहींए बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करना होगाण् भाजपा की विशिष्ट विचारधारा और मजबूत कार्य पद्धति ही हमें अन्य दलों से अलग बनाती है। भाजपा की निरंतर सफलता में कार्यकर्ताओं के नियमित प्रशिक्षण और अनुशासन का प्रमुख योगदान हैए जो पार्टी को एक अजेय राजनीतिक शक्ति बना रहा है। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे उमरिया जिला संगठन प्रभारीराजेंद्र पांडे ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य सिर्फ प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और निष्ठा का संचार करना हैए जिससे वे संगठन के विकास में अपना योगदान और अधिक प्रभावी ढंग से दे सकें। भाजपा की सफलता और संगठन क्षमता सिर्फ विचारधारा पर आधारित नहीं हैए बल्कि कार्यकर्ताओं की निरंतर शिक्षाए साधना और अभ्यास पर भी निर्भर करती है। उन्होंने कहा कियदि संगठन को सशक्त बनाना है तो कार्यकर्ताओं को सक्षम बनाना होगा और कार्यकर्ता तब सक्षम बनता हैए जब वह प्रशिक्षित होता है।

भाजपा नेता अखिलेश पांडे ने कहा कि प्रशिक्षण वर्गों में कार्यकर्ताओं को भाजपा की विचारधाराए कार्यपद्धतिए संगठनात्मक नीतियां और जनसंपर्क के महत्वपूर्ण आयामों पर गहन जानकारी दी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यकर्ता समाज में प्रभावी ढंग से कार्य करें और संगठन को और भी सशक्त बनाने में अपना योगदान दें।

मां कालिका मंदिर रानी तालाब प्रांगण में मां भगवती का विशाल जागरण आज

रीवा नगर विजयादशमी उत्सव समिति रीवा के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चौत्र नवरात्र के पावन अवसर पर दिनांक 26ण्03ण्2026 को मां फालिका धान रानी तालाब मंदिर के प्रांगण में ;मंदिर के मुख्य द्वार के समीपद्ध मां भगवती को विशाल देवी जागरण का भव्य आयोजन किया गया है। जिसमें बाहर से आए हुए कलाकारों द्वारा मां भगवती के भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। उक्त भगवती जागरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल होंगेए विशिष्ट अतिथि सांसद जनार्दन मिश्राए भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी एवं नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेश पांडे होंगे।

नगर विजयदशमी उत्सव समिति रीवा के अध्यक्ष प्रकाश तारानी संरक्षक सियाराम गुप्ता महेंद्र सराफए उपाध्यक्ष प्रभात दीक्षित गुड्डूए कोषाध्यक्ष अमित डिगवानी मीडिया प्रभारी प्रमोद दीक्षित ;छोटू सहित समिति के समस्त पदाधिकारीयों द्वारा रीवा के समस्त श्रद्धालुओं बुजुर्गों भाईयों माताओं बहनों से विनम्र अनुरोध किया है।

कि उक्त विशाल देवी जागरण कार्यक्रम में आज सांय 7रू00 बजे मां कालिका मंदिर प्रांगण में पधारे एवं धर्म लाभ प्राप्त करें अपील की गयी।

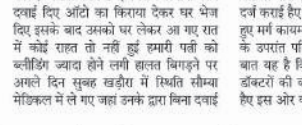

पैथालॉजी की आड़ में चला रहा था अवैध क्लीनिक
झोलाछाप डॉटर के इलाज से महिला की मौत

सीधी। जिले के मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के चलते एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि कथित झोलाछाप डॉक्टर लंबे समय से पैथोलॉजी लैब की आड़ में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर रहा था और मरीजों का इलाज भी कर रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार मृतिका नवानगर खड़ौरा निवासी साकेत परिवार की हैए महिला के पेट में दर्द की शिकायत लेकर उसके पति सुखदीन साकेत उक्त झोलाछाप डॉक्टर के पास पहुंचे थेए जहां झोलाछाप डॉक्टर ने बिना किसी उचित जांच के ही दवाई कर दीए और अगले दिन महिला की मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतिका के पति ने जानकारी देते हुए बताया हमारी पत्नी के पेट में दर्द था जिसको लेकर ए के डायग्नोस्टिक सेंटर में अजय केवट के पास ले गए जहां पत्नी को दो बॉटल और 3 इंजेक्शन लगाया और दवाई दिए ऑटो का किराया देकर घर भेज दिए इसके बाद उसको घर लेकर आ गए रात में कोई राहत तो नहीं हुई हमारी पत्नी को ब्लीडिंग ज्यादा होने लगी हालत बिगड़ने पर अगले दिन सुबह खड़ौरा में स्थिति सौम्या मेडिकल में ले गए जहां उनके द्वारा बिना दवाई के वापस कर दिए बोले जहां पहले कराएं हैं वहीं ले जाएं तब हम लोगों ने जोगीपहाड़ी में स्थित किलनिक के डायग्नोस्टिक सेंटर में ले गएए महिला की हालत देख कथित डॉक्टर अजय केवट सरकारी अस्पताल में भेज दिया जिससे उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। गलत दवा के चलते महिला की मौत से नाराज परिजनों ने पुलिस से शिकायत दर्ज कराई हैए पुलिस ने मामले को संज्ञान लेते हुए मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराने के उपरांत परिजनों को सौंप दिया है। खास बात यह है कि मझौली अंचल में झोलाझाप डॉक्टरों की क्लीनिक गली गली में खुल गई हैए इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

नशामुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम संपन्न

सतना कीर्तिप्रभा केन्द्र सरकार की योजना नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान तथा मध्यप्रदेश शासन, सामाजिक न्याय विभाग के निर्देशानुसार बुधवार को व्यापक स्तर पर नशामुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय सतना तथा मैहर जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों के साथ-साथ शासकीय स्व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना, इंदिरा कन्या महाविद्यालय सतना, ए.के.एस. यूनिवर्सिटी सतना, विट्स इंजीनियरिंग कॉलेज सतना, शासकीय आईटीआई बिरला रोड सतना एवं शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नीमी रोड सतना में एक साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में प्रमुख कलाकार के.के. शुक्ला ने छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को विभिन्न नशीले पदार्थों (मद्यपान, नशीली दवाइयाँ एवं अन्य मादक पदार्थों) के सेवन से होने वाले गंभीर घातक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की लत के कारण चोरी, हत्या, दुष्कर्म, सड़क दुर्घटनाएँ जैसी घटनाएँ निरंतर बढ़ रही हैं। कई परिवार बिखर रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं और मानव शरीर धीरे-धीरे खोखला होता जा रहा है। इंदिरा कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य श्री ए.के. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्तियों का मानसिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास तभी सार्थक होगा जब पूरा समाज नशे से दूर रहेगा। एनएसएस प्रभारी डॉ. क्रांति रजौरिया एवं डॉ. आभा गोयल ने युवाओं को नशा न करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इस बुरी लत से छुटकारा पाने और भावी पीढ़ी को बचाने के लिए अभी से हर व्यक्ति को प्रयास करना होगा। उन्होंने सभी से अपील की कि नशामुक्ति का संदेश समाज के हर कोने तक मजबूती से पहुँचाया जाए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बीरेन्द्र सिंह परिहार, डॉ. कामिनी सिंह, डॉ. रामभजन साकेत, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. वसुंधरा गुप्ता, हिमांशु द्विवेदी, प्रभात गुप्ता सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने की खाद्य विभाग की समीक्षा

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा ने खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित कर व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (च्क्ै) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर और पात्रतानुसार खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पारदर्शिता बनाए रखने और नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया।कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि पीडीएस व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाए कि जरूरतमंदों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वितरण प्रणाली की सतत निगरानी करें और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।बैठक के दौरान कलेक्टर ने आगामी रबी उपार्जन की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएंकृजैसे बारदाना, तौल व्यवस्था, भंडारण, परिवहन और भुगतान प्रणालीकृसमय से पहले सुनिश्चित कर ली जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने विशेष रूप से गत वर्ष उपार्जन के दौरान आई कठिनाइयों एवं चुनौतियों का उल्लेख करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनका गंभीरता से विश्लेषण कर एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि पिछले अनुभवों से सीख लेते हुए इस वर्ष उपार्जन प्रक्रिया को अधिक सुगम, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जाए।इसके अतिरिक्त बैठक में घरेलू गैस आपूर्ति तथा पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।
- कालिदास

ईरान युद्ध का भारत पर असर? रुपया पस्त, जीडीपी सुस्त, महंगाई जबरदस्त

इजरायल- अमेरिका ने ईरान के ऊपर एक साथ आक्रमण किया। ईरान पर इस युद्ध का जो असर पडना था, वह पड़ रहा है। अमेरिका और इजरायल के ऊपर युद्ध के जो परिणाम सामने आने थे, वह भी सामने आ रहे हैं। भारत इन दो पाटों के बीच में पिसता हुआ नजर आ रहा है। वैश्विक निवेश फर्म गोल्डमैन ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर जो रिपोर्ट जारी की है, वह चिंता बढ़ाने वाली है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से भारत की जीडीपी में कमी आने तथा महंगाई बढ़ने की चेतावनी दी गई है। भारतीय अर्थ व्यवस्था में सबसे बड़ी गड़बड़ी डॉलर के मुकाबले रुपया गिरने के कारण हो रही है। कच्चा तेल, गैस एवं जो भी सामान भारत आयात करता है, उसकी कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमत बढ़ने का असर सभी चीजों पर पड़ेगा। जिसके कारण भारत में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ाने की संभावना जताई जा रही हैं। भारत में खाद्य पदार्थ कच्चा तेल रासायनिक खाद तथा रोजाना उपयोग में आने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण इत्यादि के आयात से भारत की जुरूरतें पूरी हो रही हैं। भारत का आयात लगातार बढ़ता चला जा रहा है। कच्चा तेल गैस इत्यादि का आयात पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ गया है। लगभग 85 फ़ीसदी कच्चा तेल और गैस आयात करनी पड़ रही है। आयातित वस्तुओं का अधिकांश भुगतान डॉलर मुद्रा में होने से भारत के ऊपर इसका जबरदस्त प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय रुपए की गिरावट का असर डॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं में भी देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट मे कहा गया है, रिजर्व बैंक आफ इंडिया को ब्याजदरों में वृद्धि करनी पड़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट चार फ़ीसदी तक आ सकती है। भारत का राजस्व चालू खाते का घाटा दो फ़ीसदी और भी बढ़ सकता है। कच्चे तेल और गैस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेल की कीमतें न्यूनतम 105 डॉलर और अधिकतम 120 डॉलर प्रति बैरल की संभावना जताई गई है। इतना महंगा कच्चा तेल पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में था। पिछले 10 वर्ष में कच्चे तेल का भाव 60 से 70 डॉलर प्रति बेरल से अधिक कभी नहीं रहा। भारत में महंगा तेल आयात होने से विदेशी मुद्रा का संकट बढ़ेगा। राजकोषीय घाटा भी बढ़ेगा। इसके साथ-साथ महंगाई भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगी। अर्थव्यवस्था में लगभग एक से डेढ़ फ़ीसदी गिरावट की बात रिपोर्ट में कही गई है। इसका बड़ा असर कृषि क्षेत्र में भी पडने जा रहा है। खाद को लेकर अभी मारामारी थी। अभी जो नया संकट सामने आया है, उसके बाद खाद का संकट भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। जिसका असर कृषि उत्पादन में पड़ना तय है। पिछले चार माह में भारत का निर्यात व्यापार घटा है, जिसके कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जो बदलाव हो रहे हैं उसका भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरकार ने कभी सोचा नहीं था, अमेरिका और इजरायल का ईरान पर हमला भारत के लिए इतना भारी पड़ेगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार थोड़ा सजग और गंभीर हुई है। जिस तरह की स्थिति बन रही है, उसमे किसी को समझ नहीं आ रहा है, इस स्थिति से कैसे निपटा जाए। भारत पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका और इजरायल के ऊपर आंख बंद करके आश्रित था। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्तमान स्थिति में भारत अलग-थलग पड़ गया है। भारत के कारोबारियों का बहुत बड़ा निवेश दुबई में है। इस युद्ध का असर दुबई में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहा है। खाड़ी के देशों में भारत के लगभग 90 लाख से ज्यादा लोग काम करते थे, जो भारत के लिए विदेशी मुद्रा में रकम भेजते थे। युद्ध होने के कारण भारत को खाड़ी देशों से जो विदेशी मुद्रा हर महीने आती थी, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में उसकी बड़ी अहमियत थी। प्रवासी भारतीयों द्वारा जो विदेशी मुद्रा भारत को भेजी जाती थी, उसमें लगातार गिरावट आ रही है। जिसके कारण भारत का विदेशी मुद्रा भंडार का संकट लगातार बढ़ता चला जा रहा है। ब्रिक्स संगठन मे शामिल देश डॉलर मुद्रा की दादागिरी से बाहर निकलना चाहते हैं। ट्रंप की दादागिरी के विरोध में प्रत्यक्ष रूप से रूस, चीन, उत्तर कोरिया और अन्य देश सामने आए हैं। वैश्विक व्यापार संधि का अमेरिका द्वारा उल्लंघन करना, मनमाने टैरिफ लगाकर, अमेरिका ने सारी दुनिया के देशों को अपना दुश्मन बना लिया है। ऐसी स्थिति में दुनिया के देश डॉलर के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का एकाधिकार था। दुनिया के अधिकांश देश डॉलर मुद्रा से बाहर निकलना चाहते हैं। ऐसे समय पर अमेरिका और इजरायल के ऊपर आश्रित होकर भारत ने अपना सबसे बड़ा नुकसान किया है। ब्रिक्स संगठन के अध्यक्ष पद पर भारत है। अभी तक भारत ने इसकी बैठक नहीं बुलाई है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के इस युद्ध में भारत की भूमिका मूकदर्शक की रही है। जिसके कारण भारत का सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। ईरान और रूस से भारत के संबंध अमेरिकी दबाव मे पहले की तुलना में बहुत नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। भारत का रूस और ईरान विश्वास नहीं कर रहे हैं। अमेरिका के साथ नजदीकी होने के कारण चीन के साथ भारत के संबंध में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भारत को सभी मोर्चे में एक साथ लड़ना पड़ रहा है।

चूड़ियाँ- कायरता नहीं साहस का प्रतीक - देवी से हम तक

चैती नवरात्रि, माँ दुर्गा की उपासना का अवसर जिसमे माता रानी की विशेष पूजा के साथ उनके सोलह श्रृंगार का भी विधान है। अष्टमी/नवमी की की खरीदारी करने के क्रम में मेरी नजर मां दुर्गा के लिए सजाई जा रही मनमोहक चूड़ियों पर पड़ी। सुर्ख लाल,चमकती हुई कांच की ये चूड़ियां जैसे सीधे देवी के श्रृंगार का हिस्सा बनकर मेरे सामने खिल उठीं। जब भी चूड़ियां देखती या पहनती हूं भाषाई सभ्यता को लेकर मेरे मन में हमेशा से एक तर्क चलता रहा है। हाल ही में प्रकाशित हुई एक खबर जिसमे यूजीसी नियमों के विरोध में लखनऊ सवर्ण मोर्चा द्वारा भाजपा नेताओं के घर के आगे चूड़ियां और बिंदिया रखी गई। इस खबर ने फिर से मन को व्यथित कर दिया और सोचने और इस विषय पर लिखने के लिए विवश कर दिया कि प्रतीकात्मक हिंसा और लैंगिक पूर्वाग्रह हमारे समाज में कितनी गहरी जड़ें जमा चुके हैं।

पितृसत्तात्मक सोच में महिला की स्वतंत्रता और शक्ति को सीमित करने की प्रवृत्ति रही है लिहाजा पुरुषवादी दृष्टिकोण ने यह मान लिया कि मर्दानगी केवल कठोरता में निहित है और कोमलता कमजोरी है। जो आज भी बे रोकटोक प्रचलन में है। वैचारिक मतभेद हो या व्यक्तिगत टकराव जब-तब पुरुषों को चूड़ियां भेंट करने की खबरें आती रहतीं हैं। मानो चूड़ियां ना हुई रण निमंत्रण हो गई। बचपन से ही हमे यह बताया गया कि चूड़ियां नारी के श्रृंगार सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक हैं किंतु हमे यह नही बताया गया कि चूड़ियां अक्सर पुरुषत्व की प्रेरणा और चुनौती भी बन जाती हैं । मुझे यह समझ नहीं आता कि पुरुषवादी दृष्टिकोण साबित करने के लिए चूड़ियां ही क्यों फेंकी जाती हैं? चूड़ियां किस बात का प्रतीक हैं? कमजोरी का? कायरता का? बचपन से ये डायलॉग सुनते आ रहे हैं कि हमने चूड़ियां नहीं पहन रखीं हैं या फिर औरतों की तरह चूड़ियां पहनकर घर पर बैठो और मजे की बात यह है कि किसी को चूड़ियों के इस तरह के इस्तेमाल पर ऐतराज भी नहीं है। होगा भी क्यों? सोचेंगे तो होगा ना। जरा सोचिए अपने विरोधी को चूड़ी देकर आप उसकी नही बल्कि महिला शक्ति का अपमान करते है। चूड़ियां तो मां काली और दुर्गा के हाथ में भी होती हैं तो क्या उनसे बढ़कर है कोई शक्ति का रूप? चूड़ियां तो हर उस लडकी के हाथ में होती है जो नए सपने सजाती है और बड़ी ही मजबूती से अपने माता-पिता के घर को छोडकर एक नए घर और अंजान लोगों को अपनाती है। चूड़ियां तो उन हाथों में भी होती हैं जो नौ महीने तक एक जीवन को अपने अंदर पालती हैं और दर्द की चरम सीमा को पार करके एक नए जीवन को दुनिया में लाती हैं। चूड़ियां तो उन हाथों में भी थी जिन्होंने महाकाव्य लिख डाले। चंद्रयान 2 के परीक्षण के दौरान हम सब ने नासा की महिला वैज्ञानिकों के हाथों में मौजूद चूड़ियों को तो देखा ही होगा। भरी दुपहरी में कमर में बच्चे को बांधकर ईंट के भट्टों पर काम कर रही उस मां के हाथों में भी मैने चूड़ियां देखी है। कहीं से भी कमजोर तो नही दिखी वो मुझे। आज हर उस पुरुष से मेरा एक सवाल है जो अपनी भाषा में चूड़ियों का बेजा प्रयोग करते है। ऐसा कौन-सा रूप देख लिया आप सब ने हमारा कि हमारे श्रृंगार को कमजोरी या नकारेपन का प्रतीक बना दिया गया। कई बार तो ये सोच ही मुझे पल्ले नहीं पड़ती कि अगर किसी का अपमान करना है तो उसे बताया जाए कि वो औरत के समान है क्योंकि औरत मतलब कमजोर। औरत मतलब नाकारा। सदियों से यह मानसिकता और ऐसी महिला विरोधी टिप्पणियां प्रचलन में हैं और हम आज भी यूं ही इसे हांकते चले आ रहे हैं। इतना होने के बावजूद अगर कोई यह कहे कि ऐसा नहीं है। यह औरतों का अपमान नहीं है। उनसे मैं जरूर जानना चाहूंगी कि कैसे नहीं है? चूड़ियां हम महिलाओं का श्रृंगार हैं। पौराणिक धार्मिक या सांस्कारिक जो भी कारण हो सच यही है की हम औरतें अपने पति की मंगलकामना के लिए ही इन्हें पहनती हैं। कई बार हाथों में चुभता भी है। कभी टूट जाएं तो चोट भी लग जाती है पर फिर भी हम इसे पहनती हैं। जब मैं छोटी थी और मैंने कई बार घर में अपनी मां को देखा कि बर्तन धोते वक्त उनकी चूड़ियां टूट कर चुभ जातीं थीं और खून निकलने लगता। मैंने कई बार पूछा उनसे आप इसे क्यों पहनती हैं उतार फेंको इसे। वह गुस्से से लाल हो जातीं और कहती इस तरह के सवाल दोबारा मत पूछना। अब समझ में आता है कि नारी को सहनशील और त्याग जैसे विशेषणों से क्यों नवाजा गया है। चूड़ियां पहनना कोई इतना आसान काम नहीं है जितना कि आप पुरुष सोचते हैं। चूड़ियां केवल चूड़ियां ही नहीं होतीं इन्हें सहेजना भी बहुत कठिन होता है। देश की आधी आबादी हम महिलाएं। शक्तिशाली, स्वतंत्र, और समर्थ। बहुत सी क्षमताएँ और गुणों से परिपूर्ण जो हमे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट बना सकते हैं। हालांकि, कुछ समाजों में और कुछ स्थितियों में महिलाओं को आज भी समाज में सही मायने में स्थान नहीं मिल पा रहा है। पुरुष प्रधान समाज द्वारा स्थापित लैंगिक पूर्वाग्रहों के तहत उन्हे कमजोर बनाए रखने की कोशिश जारी है। स्त्री के मन में सदियों से यह कूट-कूट कर डाल दिया गया है कि वह अबला और कमजोर है। हालांकि यह परिप्रेक्ष्य अब काफी हद तक बदल रहा है और अब लोग समझ रहे हैं कि महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि जिस दिन स्त्री खुद को कमजोर समझना छोड़ देगी उस दिन पूरी संभावना है कि समाज भी यह सोचना छोड़ देगा। किरण बेदी से लेकर कल्पना चावला और लक्ष्मी बाई से लेकर इंदिरा गांधी तक को समाज ने कभी कमजोर नहीं समझा क्योंकि इन स्त्रियों ने खुद को कभी कमजोर नहीं समझा। ऐसे कृत्यों के लिए केवल पुरुषों को ही जिम्मेदार ठहराना गलत होगा। कई मौकों पर ऐसा देखा गया कि पुरुष को पीछे हटता देख स्वयं महिलाओं ने ही अपनी चूड़ियां भेजकर उन्हे ललकारा या नकारा करार दिया। अब ऐसी महिलाओं के विषय में क्या कहा जाए जो स्वयं अपने सौभाग्यचिन्ह का इस तरह अपमान कर रही हों। नारी-पुरुष दोनों का आभूषण होकर भी चूड़ियां कई अवसरों पर रण-निमंत्रण्‌ बन जाती हैं। रंग-बिरंगी खनखनातीं सौभाग्य चिह्न स्वास्थ्य-ज्योतिष धार्मिक आस्था से परिपूर्ण, ऐतिहासिक देव-देवियों के इस आभूषण को इस तरह से इस्तेमाल तो केवल और केवल आपकी नादानी मूर्खता को ही प्रदर्शित करता है। चूड़ियां भेट ही करनी है

श्रीराम और तीर्थंकर महावीर के बीच वंश परंपरा का मधुर संबंध

चैत्र महीने का सीधा संबंध महापुरुषों के जन्मों के साथ जुड़ा हुआ है। चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की नवमी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव आता है तो जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक (जन्म जयंती) भी चैत्र महीने में ही शुक्ल की त्रयोदशी को मनाया जाता है।

इन दो महान व्यक्तित्वों का जन्म चैत्र माह में ही सिर्फ 4 तिथियों के अंतर पर हुआ। हालांकि दोनों के जन्म में हजारों वर्षों का अंतर है। फिर भी दोनों के बीच एक मधुर, गहरा और अद्भुत संबंध है।भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर हैं। इस महान परंपरा की तीर्थंकर परंपरा के प्रथमेश असि, मसि कृषि व अंक शब्दों के जनक प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ (ऋषभदेव) से हुआ, जो कि पहले तीर्थंकर थे। भगवान आदिनाथ अयोध्या के राजा नाभि के पुत्र के रूप में जन्मे। यानी अयोध्या न केवल श्रीराम की जन्मभूमि रही है, बल्कि जैन परंपरा में भी अत्यंत पवित्र स्थान है, क्योंकि यहां चार अन्य तीर्थंकरों का जन्म भी हुआ अजितनाथ (दूसरे), अभिनंदननाथ (चौथे), सुमतिनाथ (पांचवें) और अनंतनाथ (14वें)।

संयोग से, भगवान आदिनाथ का जन्म भी चैत्र मास में ही हुआ था। हालांकि वह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि थी। उन्होंने सूर्यवंश की इक्ष्वाकु परंपरा की स्थापना की, वही वंश जिसमें कई पीढ़ियों बाद भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इस सदी के चौबीस तीर्थंकरो में से तीन तीर्थंकरों, वासु पूज्य स्वामी, मुनि सुव्रतनाथ व नेमिनाथ तीर्थंकर को छोड़कर बाक़ी इक्कीस तीर्थंकर इक्ष्वाकुवंश में उत्पन्न हुए। इस प्रकार, भगवान महावीर की जैन परंपरा और भगवान श्रीराम की वंशावली दोनों की जड़ें भगवान आदिनाथ से जुड़ती हैं।

त्रिशष्टिशलाका पुरुषचरियं, पउम चरियं, पद्मपुराण साहित्यक ग्रंथों में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का उल्लेख सम्मिलित है। चौथे आरे के बीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रत स्वामी के समय में श्रीराम का उल्लेख मिलता है। जैन साहित्य अनुसार श्रीराम को बलदेव माना गया है जो कि 63शलाघ्य पुरुष में आते हैं, तो एक दार्शनिक परंपरा है, दूसरी जैविक। यह संबंध केवल भूगोल, वंश और नामों तक सीमित नहीं है। यह गहराई तक विचार और मूल्य व्यवस्था में रचा-बसा है। चाहे तीर्थंकर हों या श्रीराम, सभी ने धर्म की भावना को जीवन का मूल बनाया। इक्ष्वाकु वंश का नाम ही इक्षु अर्थात गन्ने से लिया गया है। सरयू नदी के तट पर बसे अयोध्यावासी गन्ने की खेती करते थे थे और उसका रस निकालना जानते थे। यह बात तब और स्पष्ट हो जाती है जब हम पाते हैं कि भगवान ऋषभदेव ने अपने पौत्र श्रेयांस कुमार के हाथों हस्तिनापुर शहर में अपने 400 दिवसीय उपवास को अक्षय तृतीया के दिन गन्ने के रस को स्वीकर कर उस कठिन तपस्या का पारणा संपन्न किया।

विस्तृत गहराई से अगर अध्ययन किया जाए तो दोनों महापुरुषों ने सत्य, धर्म व सात्विक जीवन शैली तथा पर पीड़ा नहीं पहुँचाने का प्रयास ही नहीं किया अपितु जनमानस को संदेश भी दिया।अनेक प्रकार से देखा और समझा जा सकता है कि मूलतः धर्म की आत्मा हमें यह सिखाती है कि मानव जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा है। चाहे वो तीर्थंकर हों या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम।

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नही पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत मे ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य मे स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है-आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणमहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले है लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं-एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, अष्टमी, गुरुवासरे, आद्रा नक्षत्रे, शोभन योगे, वल करणे, मिथुन की चंद्रमा, करण योग, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा फलदायी व उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासनिक, प्रशासनिक अधिकारी शिक्षक तथा चूना सीमेंट तथा दूध की डेयरी का व्यापारी, उत्तम उद्योगपति पार्टी संगठक वक्ता होगा।

मेष राशि :- मान प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य व्यवसाय, गति उत्तम स्त्रीवर्ग से क्लेश हो।
वृष राशि :- धन प्राप्ति के योग बनेंगे, नवीन मैत्री व मंत्रणा प्राप्त होगी, ध्यान अवश्य रखे।
मिथुन राशि :- इष्ट मित्र वर्ग सहायक रहे, व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि हो तथा कार्य बनेंगे।
कर्क राशि :- सामाजिक मान प्रतिष्ठा, कार्य कुशलता संतोषजनक रहे, कार्य बनने लगेंगे।
सिंह राशि :- परिश्रम से समय पर सोचे, कार्य पूर्ण होंगे तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।
कन्या राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहे, कार्यकुशलता से संतोष होगा।
तुला राशि :- दैनिक व्यवसाय गति उत्तम तथा व्यावसायिक चिन्ताएं कम अवश्य होगी।
वृश्चिक राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार होगा, असमंजस तथा सफलता न मिले, कार्य अवरोध होगा।
धनु राशि :- स्थिति अनियंत्रित रहे तथा नियंत्रण करना आवश्यक होगा, ध्यान दें।
मकर राशि :- मानसिक खिन्नता एवं स्वभाव में मानसिक उद्विग्नता बनी रहे।
कुंभ राशि :- योजनाएं फलीभूत हो, विघटनकारी तत्व आपको परेशान अवश्य करेंगे।
मीन राशि :- मनोबलल उत्साहवर्धक हो, कार्य कुशलता से संतोष बना रहे, धर्म कार्य।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि यहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7153

1		2	3	■	4		5	■	6
	■	7		8		■	9		
■	10	■	■		■	11		■	
12		13	■	14	15	■	■	16	■
	■	17	18	■	19		■	20	
21		■	22	23		■	24		■
	■	25			■	26		■	27
■	28		■	29		■	30		
31	■	32	33		■	34	■	■	
35		■		■	36				

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, बैजन्ती की 'काहे कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरुणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-३
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. तब्बो अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'बूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-३
३६. मिथुन, मधु की तु चीज बड़ी है मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरुख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली अमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक चोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, रिमा रे की फिल्म-३
१८. 'चिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. आफताब, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जनम' गीत वाली फिल्म-३
२७. आफताब कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7152

[illegible]

Jagrutidarsan.com, Bangalore

ईरान ने कुवैत के एयरपोर्ट पर किया ड्रोन हमला, फ्यूल टैंक में लगी आग

तेल अवीव। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग जारी है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमाके की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं।

ईरानी सेना का ट्रंप पर तंज...अपनी हार को समझौते का नाम मत दो

तेहरान। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने संघर्ष-विराम समझौते की अमेरिकी कोशिशों का मजाक उड़ाकर कहा कि अमेरिकी लोग, तब बस खुद से ही बातचीत कर रहे हैं। ईरानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोल्फगारी ने यह बयान रिकॉर्ड किए गए वीडियो में दिया, जिसे सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित किया गया।उन्होंने कहा, जिस रणनीतिक शक्ति की आप पहले बात करते थे, वह अब एक रणनीतिक विफलता में बदल गई है। जो खुद को वैश्विक महाशक्ति होने का दावा करता है, अगर वह ऐसा कर पाता, तब इस मुसीबत से अब तक बाहर निकल चुका होता।

चीन के चाय बागानों में हाई-टेक ह्यूमनॉइड रोबोट की एंट्री

बीजिंग। तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे चीन ने अब कृषि क्षेत्र में भी हाई-टेक समाधान अपनाना शुरू कर दिया है। हुबेई प्रांत के चाय बागानों में इंसानी आकार के ह्यूमनॉइड रोबोट चाय की पत्तियां तोड़ते नजर आ रहे हैं। इन रोबोट्स का उपयोग श्रमिकों की कमी को पूरा करने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल कृषि क्षेत्र में ऑटोमेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। चीन में पहले ही यूनिट्री, गैलबॉट, नोएटिक्स और मैजिकलैब जैसी प्रमुख रोबोटिक्स कंपनियां सक्रिय हैं, जो लगातार नई तकनीकों का विकास कर रही हैं।

रूस-चीन की तकनीक से मिली ताकत, ईरानी मिसाइलें लगा रहीं सटीक निशानें

तेहरान। ईरान ने शुक्रवार को दुनिया को एक नई तरह की जंग की झलक दिखाई। ऐसी जंग जिसमें सिर्फ मिसाइलें ही नहीं, बल्कि सैटलाइट और एआई भी बराबरी से शामिल रहा।

ईरान ने करीब 3800 किमी दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर लंबी दूरी की बलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि ये मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन इस घटना ने डिफेंस सेक्टर में हलचल मचा दी है।

सीनेट में टकराव, ट्रंप से जुड़ी जांच को रिपब्लिकन नेताओं ने मॉडर्न वॉटरगेट करार दिया

-डेमोक्रेट्स ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए जांच को सामान्य कानूनी प्रक्रिया बताया

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी जांच को लेकर राजनीतिक टकराव हो गया। रिपब्लिकन नेताओं ने इस जांच को मॉडर्न वॉटरगेट करार देते हुए इसे सत्ता का दुरुपयोग बताया, जबकि डेमोक्रेट्स ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए जांच को सामान्य कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीनेट की ज्यूडिशियरी सबकमेटी की एक बैठक के दौरान टेक्सास के रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जस्टिस डिपार्टमेंट ने बेहद व्यापक जांच की अनुमति दी थी जिसमें करीब एक लाख निजी संचार तक पहुंच बनाई गई। उन्होंने दावा किया कि इस जांच का असर एक दर्जन से ज्यादा सीनेटरों और हजारों लोगों की निजी जिंदगी पर पड़ा। क्रूज ने कहा कि यह एक मॉडर्न वॉटरगेट है और दावा किया कि यह पहले के घोटालों से भी आगे है, क्योंकि इसे सरकारी शक्तियों के तहत पूरी तरह अधिकृत और लागू किया गया। रिपब्लिकन नेताओं ने आरोप लगाया कि इस जांच के तहत करीब 200 कानूनी नोटिस जारी किए गए, जिनमें 400 से ज्यादा रिपब्लिकन समर्थित व्यक्तियों और संगठनों को निशाना बनाया गया। इनमें राजनीतिक समूह, डोनर, वकील और ट्रंप से जुड़े कैंपेन और अन्य संगठन शामिल बताए गए।सीनेटर माइक ली ने इसे चौंकाने वाली घटना बताया, जबकि जॉन केनेडी ने सवाल उठाया कि टेलीकॉम कंपनियों ने इन आदेशों का पालन क्यों किया। क्रूज ने आरोप लगाया कि एफबीआई ने फोन टोल रिकॉर्ड्स हासिल किए जिनमें कई प्रतिनिधियों के डेटा भी शामिल थे। उनके मुताबिक, सीनेट के करीब 20 फीसदी रिपब्लिकन सदस्यों का डेटा इकट्ठा किया, जिसे उन्होंने अभूतपूर्व दखल बताया।

वहीं डेमोक्रेट्स ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया। रोड आइलैंड के सीनेटर शेल्डन व्हाइटहाउस ने कहा कि फोन रिकॉर्ड के लिए सबपोएना जारी करना किसी भी जांच का सामान्य हिस्सा होता है। उन्होंने कहा कि लगभग हर जांच में टोल रिकॉर्ड्स के लिए सबपोएना लिया जाता है।

व्हाइटहाउस ने यह भी कहा कि काश पटेल और सुसी वाइल्स जैसे लोग जांच के लिए प्रासंगिक थे। काश पटेल खुद फैक्ट विटनेस बन चुके थे, जबकि वाइल्स का जिक्र ट्रंप से जुड़े क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट केस में भी हुआ था। डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन से मांग की कि वे स्पेशल काउंसल जैक स्मिथ को गवाही के लिए बुलाएं। व्हाइटहाउस ने कहा उन्हें क्यों नहीं बुलाते? सीधे उनसे ही सुन लेते हैं।एक अन्य डेमोक्रेटिक सीनेटर ने इस सुनवाई को बेबुनियाद राजनीतिक अभियान बताया।

भौगोलिक सीमाएं बदलने को बेचैन इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के इलाके पर किया कब्जा!

यरूशलेम। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष के बीच इजरायल ने एक रणनीतिक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दक्षिणी लेबनान की लितानी नदी तक के पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण करने का एलान कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक इजरायल के इस कदम की तुलना रूस-यूक्रेन युद्ध से कर रहे हैं, जहाँ रूस ने डोनबास और क्रीमिया जैसे इलाकों पर कब्जा कर अपनी भौगोलिक सीमाएं बदल दी थीं। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि उनकी सेना अब लितानी नदी तक के पूरे इलाके को एक सुरक्षा क्षेत्र में तब्दील करने जा रही है।

इजरायली रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य हिजबुल्लाह की कमर तो?ना और उसकी हथियार आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह ध्वस्त करना है। इसके तहत इजरायली सेना ने लितानी नदी पर बने उन सभी पांच प्रमुख पुलों को बमबारी कर उ?ा दिया है, जिनका उपयोग हिजबुल्लाह सैन्य परिवहन के लिए करता था। रक्षा मंत्री ने सैन्य कमांड सेंटर के दौरे के दौरान कहा कि अब इन रास्तों और लितानी तक के पूरे क्षेत्र का नियंत्रण इजरायली सेना के हाथों में रहेगा। इजरायल ने साफ कर दिया है कि जब तक उसके उत्तरी क्षेत्रों के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक विस्थापित लेबनानी नागरिकों को उनके घरों में लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी।युद्ध अब अपने चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और तबाही का मंजर बेरूत से लेकर बेका घाटी तक फैल गया है। इजरायली वायुसेना ने अल-अमाना फ्यूल कंपनी के गैस स्टेशनों को भी निशाना बनाया है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि इसका उपयोग हिजबुल्लाह को फंडिंग देने के लिए किया जा रहा था। दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती गांवों में भीषण गोलीबारी और जमीनी संघर्ष की खबरें निरंतर आ रही हैं। दूसरी ओर, हिजबुल्लाह ने भी जवाबी हमले जारी रखे हैं और उत्तरी इजरायल में मौजूद सैन्य ठिकानों पर रॉकेट दागने का दावा किया है। वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही संभावित शांति वार्ताओं के बीच इजरायल का यह बड़ा सैन्य फैसला पूरे क्षेत्र की भू-राजनीति को बदलने वाला साबित हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस घटनाक्रम को लेकर चिंतित है, क्योंकि सीमाएं बदलने की यह कोशिश इस युद्ध को और अधिक लंबा और विनाशकारी बना सकती है।

फिलीपींस ने घोषित की नेशनल एनर्जी इमरजेंसी, ईंधन संकट से निपटने के लिए उठाए कड़े कदम

मनीला। पश्चिम एशिया में भड़के भीषण संघर्ष की आंच अब सात समंदर पार दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंच गई है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे निपटने के लिए फिलीपींस ने मंगलवार को नेशनल एनर्जी इमरजेंसी घोषित कर दी है। मौजूदा वैश्विक संकट के बीच ऊर्जा आपातकाल लागू करने वाला फिलीपींस दुनिया का पहला देश बन गया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने स्पष्ट किया है कि यह कठोर कदम देश को संभावित अंधकार में डूबने से बचाने और जनता को बिजली की आसमान छूती कीमतों से राहत देने के लिए उठाया गया है।

फिलीपींस अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में लिक्विफाइड नेचुरल गैस के आयात पर निर्भर है, लेकिन युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमतें रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रही हैं। राष्ट्रपति मार्कोस द्वारा जारी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के मुताबिक, देश की ऊर्जा स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इस आपात स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने अब बिजली उत्पादन बढ़ाने हेतु कोयले से चलने वाले पावर प्लांट्स पर अपनी निर्भरता बढ़ाने का निर्णय लिया है। फिलीपींस की ऊर्जा सचिव शेरोन गारिन ने संकेत दिए हैं कि यह इमरजेंसी 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो सकती है। वर्तमान में फिलीपींस की 60 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कोयले से होता है, जिसे अब और अधिक विस्तार दिया जाएगा ताकि मिडिल ईस्ट के संकट का सीधा असर आम आदमी के बिजली बिलों पर न पड़े। इस ऊर्जा संकट के बीच पड़ोसी देश इंडोनेशिया ने फिलीपींस की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। जब दुनिया भर में ईंधन के लिए हाहाकार मचा है, तब इंडोनेशिया ने मनीला को भरोसा दिलाया है

इजरायल- रसूखदार मंत्री से कानूनी जंग जीतकर जासूस रिनात सबान बनीं चीफ सुपरिंटेंडेंट

तेल अवीव। इजरायल में इन दिनों एक महिला पुलिस अधिकारी की बहादुरी और दृढ़ संकल्प की हर तरफ चर्चा हो रही है। रिनात सबान, जो पेशे से एक पुलिस डिटेक्टिव (जासूस) हैं, ने अपने हक और प्रमोशन के लिए सरकार के एक कद्दावर मंत्री के खिलाफ साल भर लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और अंततः जीत हासिल की। यह मामला इसलिए खास है क्योंकि रिनात ने सीधे तौर पर सत्ता को चुनौती दी और अदालत के जरिए नेतन्याहू सरकार के फैसले को पलटने पर मजबूर कर दिया। हाल ही में रिनात सबान को चीफ सुपरिंटेंडेंट के पद पर प्रमोट किया गया है। उनकी इस उपलब्धि की राह आसान नहीं थी, क्योंकि इजरायल के नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर इटमार बेन ग्विर ने इस प्रमोशन का पुरजोर विरोध किया था। इसके बावजूद रिनात ने हार नहीं मानी और कानूनी जंग जीत ली। स्थिति यह रही कि मंत्री की आपत्तियों के बाद भी अदालत ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई और उनके हस्ताक्षर के बिना ही प्रमोशन की फाइल को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक आदेश दिया।

रिनात के प्रमोशन को रोके जाने के पीछे की वजह पेशेवर से ज्यादा राजनीतिक मानी जा रही थी। पिछले साल मार्च से ही धुर-दक्षिणपंथी मंत्री बेन ग्विर प्रमोशन की फाइल पर साइन करने से इनकार कर रहे थे, जबकि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पूरी तरह रिनात के समर्थन में थे। दरअसल, रिनात सबान ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले की जांच की थी और बाद में उस केस में गवाही भी दी थी। मंत्री की नाराजगी की मुख्य वजह यही जांच मानी गई।यरूशलम की जिला अदालत ने पिछले महीने मंत्री के इस कदम को गैरकानूनी करार देते हुए स्पष्ट कहा कि फाइल रोकना बाहरी और असंगत कारणों से प्रेरित लगता है। जब अदालत के आदेश के बाद भी मंत्री अपनी जिद पर अड़े रहे, तो कोर्ट ने पांच दिन का अल्टीमेटम जारी कर दिया। अंततः, बिना मंत्री के हस्ताक्षर के एक समारोह में रिनात को उनके नए पद पर नियुक्त किया गया।

ईरान ने अमेरिका को दिया बहुत अहम और खास तोहफा, अमेरिकी राष्ट्रपति गदगद!

-ट्रंप बोले- मुझे मिला तोहफा बहुत खास, हम सही लोगों के साथ डील कर रहे हैं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने यूएस को बहुत बड़ी रकम का एक तोहफा दिया है। यह तोहफा होर्मुज स्ट्रेस से जुड़ा हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह तोहफा ईरान के परमाणु प्रोग्राम से नहीं बल्कि तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप ने इस तोहफे के बारे में खुलासा नहीं किया। यह रहस्यमयी टिप्पणी ट्रंप के उस फैसले के एक दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले को पांच दिनों के लिए टाल दिया और युद्ध को खत्म करने एक समझौते के लिए ईरान के साथ बातचीत की मेज पर लौटने का फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि ईरान ने कुछ ऐसा किया जो सचमुच कमाल का था। उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वह तोहफा आज हमारे पास पहुंचा है। यह बेहद ही खास तोहफा है, जिसकी कीमत बहुत ज्यादा है। मैं आपको यह नहीं बताऊंगा कि यह तोहफा क्या है? लेकिन ये बेहद अहम और खास है। इसका मेरे लिए एक ही मतलब है कि हम सही लोगों के साथ डील कर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी कमांडर-इन-चीफ ने कहा कि तेहरान ने उन्हें जो तोहफा भेजा था वह तेल और गैस से जुड़ा था, क्योंकि दोनों देश संभावित संघर्ष-विराम की ओर देख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह तेल और गैस से जुड़ा था। साथ ही ट्रंप ने इस गिफ्ट को बहुत ही अनमोल बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या इसका संबंध होर्मुज स्ट्रेट से है तो ट्रंप ने इसका जवाब हां में दिया। उन्होंने कहा कि यह बहाव और जलडमरूमध्य से जुड़ा था।

पहले अमेरिका ने जंग लड़ी फिर हथियार डाले अब परमाणु समझौते का मन बना रहे राष्ट्रपति ट्रंप?

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भयंकर कन्फ्यूज राष्ट्रपति के रूप में उभरे हैं। घड़ी-घड़ी बयान बदलने में माहिर ट्रंप ने पहले ईरान के ऊपर पहला हमला करके जंग की शुरुआत कर दी। फिर खुद बैकफुट पर आए हथियार डाल दिए। अब ईरान के साथ परमाणु समझौता करने के रास्ते पर आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। बता दें अमेरिका से शुरु से ईरान का सिर्फ इसलिए विरोध करता रहा है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। इसी मामले को लेकर करीब एक महीने से जंग चल रही है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ईरान के साथ जारी कूटनीतिक चर्चाओं को लेकर बेहद सकारात्मक और चौंकाने वाले दावे किए हैं। ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उनका प्रशासन वर्तमान में ईरान के सही लोगों के साथ सीधे संपर्क में है और ईरानी पक्ष एक नया समझौता करने के लिए पूरी तरह से बेताब नजर आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि इन उच्च-स्तरीय चर्चाओं का नेतृत्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो कर रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि वॉशिंगटन इस मुद्दे को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मान रहा है। ट्रंप ने एक बार फिर अपने उस दावे को दोहराया कि ईरानी शासन इस बात पर पूरी तरह सहमत हो गया है कि वह भविष्य में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। हालांकि, यह दावा वह पूर्व में भी कई बार कर चुके हैं, लेकिन इस बार उनके शब्दों में अधिक आत्मविश्वास और स्पष्टता देखी गई।जब प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रपति से शांति समझौते की सफलता की संभावनाओं पर सवाल किया गया, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के उत्तर दिया, यह युद्ध जीत लिया गया है। ट्रंप का यह बयान उन आशंकाओं के बीच आया है जहाँ दुनिया भर में ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य टकराव की चिंताएं ब? रही थीं। उनके इस बयान को क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, इस कूटनीतिक उत्साह के बावजूद कुछ अनसुलझे सवाल अभी भी बने हुए हैं।

यूरोपीय संघ ने रूसी तेल पर कड़ा फैसला टाला, ग्लोबल मार्केट और भारत को मिली बड़ी राहत

ब्रसेल्स। दुनिया भर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व के युद्ध की विभीषण के बीच यूरोप से एक ऐसी खबर आई है, जिसने वैश्विक बाजार के साथ-साथ भारत जैसे बड़े तेल खरीदारों को बड़ी राहत दी है। यूरोपीय संघ ने रूसी तेल पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लगाने के अपने कड़े प्रस्ताव से कदम पीछे खींच लिए हैं। इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में मचने वाला संभावित हाहाकार फिलहाल टल गया है और इसका सीधा फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था को होने की उम्मीद है। यूरोपीय कमीशन 15 अप्रैल को एक सख्त कानूनी प्रस्ताव पेश करने की तैयारी में था, जिसका उद्देश्य यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर रूस से आने वाले तेल आयात पर भविष्य के लिए हमेशा के लिए प्रतिबंध लगाना था। इस योजना के तहत साल 2027 के अंत तक रूसी तेल के आयात को पूरी तरह शून्य करने का लक्ष्य था। हालांकि, मंगलवार को जारी हुए यूरोपीय संघ के नए एजेंडे से स्पष्ट हो गया है कि इस प्रस्ताव को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। यूरोपीय अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा भू- राजनीतिक स्थितियों के कारण इसे अप्रैल में पेश नहीं किया जाएगा। इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच छिड़ी जंग को माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, इस संघर्ष ने इतिहास का सबसे बड़ा तेल आपूर्ति संकट पैदा कर दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बेकाबू हैं। ऐसे में रूस पर स्थायी प्रतिबंध लगाने से सप्लाई चेन पूरी तरह ध्वस्त हो सकती थी। साथ ही, यूरोपीय संघ के भीतर हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देशों का कड़ा विरोध भी एक प्रमुख कारण रहा है। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन शुरू से ही रूसी तेल पर प्रतिबंधों के खिलाफ रहे हैं। भारत के लिए यह खबर किसी बड़े अवसर से कम नहीं है। भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और फिर उससे बने पेट्रोकेमिकल उत्पादों को यूरोप के बाजारों में बेचता है। इस कानूनी प्रस्ताव के टलने से भारतीय रिफाइनरियों के लिए व्यापार का यह रास्ता और अधिक खुल गया है।

ईरान से जंग खत्म करने बातचीत के लिए पाकिस्तान जाएंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस

-युद्धविराम के लिए अमेरिका के सामने ईरान ने रखी प्रमुख शर्तें, क्या मानेंगे ट्रंप?

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर बातचीत हो सकती है, लेकिन शांति वार्ता से पहले जो शर्तें रखी गई हैं उन्हें देखने से पता चलता है कि शायद इन शर्तों को मानना अमेरिका के लिए नामुमकिन होगा। अमेरिकी शर्तें भी ऐसी ही हैं जो शायद ही तेहरान कबूल करे। इसीलिए ट्रंप जो युद्ध से हर हाल में भागना चाह रहे हैं क्या वह तेहरान की इन शर्तों को मानेंगे ये बड़ा सवाल है। अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस शांति वार्ता पर बात करने पाकिस्तान जा रहे हैं और उससे पहले ईरान ने अपनी शर्तें बता दी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था कि ईरान के साथ अच्छी बातचीत चल रही है। हालांकि पहले तेहरान ने उनके दावों का मजाक उड़ाया था लेकिन बाद में उसने माना कि उसे कुछ मित्र देशों से संदेश मिले हैं जिनमें युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत की अमेरिकी गुजारिश का जिक्र है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिसमें सूत्रों का हवाला दिया गया है, ईरान के रुख का मूल संदेश यह है कि सिर्फ युद्ध खत्म करना ही काफी नहीं होगा। यदि बातचीत आगे बढ़ती है तो उसकी मुख्य मांगों में कई मांगे ऐसी हैं जिसपर शायद ही सहमति बन सकती है।बता दें ईरान ने युद्धविराम के लिए अमेरिका के सामने जो प्रमुख मांगे रखी हैं उनमें फारस की खाड़ी और पश्चिम एशिया में सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बंद किया जाए। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी व्यापारिक जहाजों से शुल्क वसूलने का अधिकार उसे मिले। ठीक वैसे ही जैसे स्वेज नहर में होता है। युद्ध के दौरान अमेरिका और इजराइल के हमलों में ईरान को जो भी नुकसान हुआ है।

शरीफ की मध्यस्थता की कोशिशों के बीच ईरान का बड़ा बयान, डबल गेम पर उठे सवाल

इस्लामाबाद। मध्य पूर्व में जारी महासंग्राम के बीच कूटनीति की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर व्हाइट हाउस तक हलचल मचा दी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जहाँ अमेरिका और ईरान के बीच शांति दूत बनकर उभरने की कोशिश कर रहे थे, वहीं ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इस पूरी रणनीति पर पानी फेर दिया है। इस घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की डबल डिप्लोमेसी को कटघरे में खड़ा कर दिया है।मामले की शुरुआत तब हुई जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर एक रणनीतिक दांव चलते हुए घोषणा की कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए युद्ध को खत्म करना अनिवार्य है और पाकिस्तान इस दिशा में किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो इस समय मध्य पूर्व के संकट से एक सम्मानजनक विदाई की तलाश में हैं, उन्होंने शहबाज की इस पोस्ट को अपनी प्रोफाइल पर रीपोस्ट कर दिया। इसे दुनिया के लिए एक ब? संकेत के तौर पर देखा गया कि ट्रंप अब पाकिस्तान के जरिए ईरान को बातचीत की मेज पर लाना चाहते हैं।

हालांकि, शहबाज शरीफ और ट्रंप की इस डिजिटल जुगलबंदी का जश्न अभी शुरू ही हुआ था कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने एक विवादास्पद पोस्ट कर सबको चौंका दिया। पेजेश्कियन ने पाकिस्तान का नाम लेते हुए उसे अमेरिका विरोधी खेमे में ख?ा कर दिया। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान, तुर्की और इराक जैसे देशों के लोग अमेरिका और इजरायल के अपराधों के प्रति अपनी घृणा जाहिर कर रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान की जनता की भावनाओं का हवाला देते हुए अमेरिका को अपराधी करार दिया। ईरान के इस बयान ने पाकिस्तान की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कूटनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है कि यदि ईरान स्वयं पाकिस्तान को अपना नफरती साथी बता रहा है, ।

रंगसंसार

आयशा का रेड अनारकली लुक वायरल

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस आयशा खान हाल ही में अपने ट्रेडिशनल लुक को लेकर चर्चा में हैं। उनकी फिल्म ज्धुरंधर- द रिवेंजज् के पहले पार्ट में उनके डांस ने दर्शकों का ध्यान खींचा था, वहीं ईद के खास मौके पर उन्होंने फैंस को सोशल मीडिया पर एक सरप्राइज दिया। आयशा ने अपने आउटफिट के रूप में रेड अनारकली सूट पहना, जिसमें गोल्डन बॉर्डर और बारीक कढ़ाई का काम उनके लुक को और खास बना रहा था। फ्लेयर्ड डिजाइन ने उन्हें ग्रेसफुल और प्रीमियम लुक दिया। उन्होंने मैचिंग रेड दुपट्टा कैरी किया, जिस पर हल्का गोल्डन वर्क था। बड़े झूमके, हल्का आई मेकअप और न्यूड लिप्स उनके ट्रेडिशनल लुक को और निखार रहे थे। बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ खुला रखा गया, जो सिंपल लेकिन आकर्षक लग रहा था। फैंस ने उनकी तस्वीरों पर जमकर प्यार और तारीफ लुटाई। उनके आउटफिट का नेकलाइन डिजाइन भी काफी आकर्षक बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर यह लुक वायरल हो गया और फैंस ने आयशा के ट्रेडिशनल अंदाज की सराहना की। उनके इस फेस्टिव लुक ने यह साबित कर दिया कि आयशा खान हर मौके पर अपने स्टाइल और ग्रेस से फैंस को प्रभावित कर सकती हैं और उनका ट्रेडिशनल ग्लैमर लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

निकोलस ब्रेंडन का निधन, फैंस में शोक

मनोरंजन जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। लोकप्रिय टीवी शो बफी द वैम्पायर स्लेयर के फेमस एक्टर निकोलस ब्रेंडन का निधन हो गया है। वह महज 54 साल के थे। उनके परिवार ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। निकोलस ब्रेंडन की अचानक मौत से इंडस्ट्री और फैंस के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर उनके चाहने वालों ने भावुक संदेश साझा किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कई लोग उनके करियर और व्यक्तिगत योगदान को याद करते हुए उन्हें याद कर रहे हैं। निकोलस ने अपनी अदाकारी की यात्रा में कई यादगार किरदार निभाए, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा पहचान बफी द वैम्पायर स्लेयर में एक्स-फ्लैग्रेंट और करिश्माई प्रदर्शन के लिए मिली। उनका किरदार फैंस के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा। उनके सह-कलाकारों और इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने भी सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हालांकि उनके निधन के कारणों की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उनके परिवार और करीबी दोस्तों के मुताबिक यह अचानक हुआ। उनके जाने से टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में खालीपन महसूस किया जा रहा है। निकोलस ब्रेंडन की मौत ने फैंस के लिए एक बड़ा सदमा दिया है। उनके योगदान और उनके द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों को हमेशा याद रखा जाएगा। इस दुखद मौके पर उनके परिवार, दोस्तों और फैंस के लिए संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

अपने प्रोडक्शन हाउस में आलिया देंगी आउटसाइडर्स को मौका

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए आउटसाइडर्स को मौका देंगी। अभिनेत्री के इस बयान को इंडस्ट्री में नई सोच और बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, आलिया भट्ट अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म च्चोंट बी शाईज् के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं, जो अमेजन प्राइम विडियो के एक बड़े कार्यक्रम के दौरान पेश की गई। इस इवेंट में कई अन्य प्रोजेक्ट्स की भी घोषणा की गई, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच हुई बातचीत ने खींचा।

इवेंट के दौरान करण जौहर ने मजाकिया अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आलिया के जवाब उनके सवालों से काफी अलग और परिपक्व होते हैं। इस पर आलिया ने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।

बातचीत को आगे बढ़ाते हुए करण जौहर ने मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने आलिया को याद दिलाया कि उन्होंने उन्हें फिल्म च्स्टूडेंट ऑफ द ईयरज् के जरिए लॉन्च किया था। इस पर आलिया ने हल्के अंदाज में कहा कि उन्हें हमेशा सिखाया गया है कि हर चीज की एक सही टाइमिंग होती है। इसी दौरान करण जौहर ने अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन नए कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे आउटसाइडर्स होंगे।

इस पर आलिया ने बिना झिझक च्हांज् में जवाब दिया। उनका यह जवाब सुनकर करण जौहर ने भी उनकी सराहना करते हुए कहा कि उन्हें आलिया पर गर्व है। अगर फिल्म च्चोंट बी शाईज् की बात करें तो यह एक 20 साल की लड़की श्यामिली उर्फ च्शाईज् दास की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे मोड़ आते हैं जो उसे पूरी तरह बदल देते है। फिल्म में एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को भावनात्मक और प्रेरणादायक अंदाज में दिखाया जाएगा। यह फिल्म आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के सहयोग से बनाई जा रही है।

तमिलनाडु में च्धुरंधर- द रिवेंजज् पर रोक की याचिका

रणवीर सिंह की फिल्म च्धुरंधर- द रिवेंजज् बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है, लेकिन अब इसे कानूनी विवाद का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में मद्रास हाई कोर्ट में फिल्म की तमिलनाडु में रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि फिल्म की कहानी राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ी है और आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान इसकी रिलीज आचार संहिता का उल्लंघन कर सकती है। अदालत ने याचिकाकर्ता को औपचारिक रिट याचिका दायर करने और जल्द सुनवाई की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि फिल्म की रिलीज पर रोक लगेगी या नहीं। फिल्म की कहानी कराची के लियारी इलाके की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें गैंगवार और आपराधिक गतिविधियों की झलक दिखाई गई है। रणवीर सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो जसकीरत सिंह रंगी से हमजा अली मजारी बनने की यात्रा को दर्शाता है। इसके अलावा अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त और राकेश बेदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। दर्शक फिल्म की कहानी और रणवीर की एक्टिंग को काफी पसंद कर रहे हैं। अब यह देखना बाकी है कि अदालत का फैसला तमिलनाडु में फिल्म की रिलीज पर क्या असर डालेगा और क्या चुनावी आचार संहिता के हवाले से फिल्म को रोकने का कदम उठाया जाएगा।

जरीन खान की मां की तबीयत नाजुक

फिल्म च्वीरज् से बॉलीवुड में कदम रखने वाली एक्ट्रेस जरीन खान इन दिनों फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वे अपने फैंस के साथ लगातार जुड़ी रहती हैं। हाल ही में जरीन ने अपनी निजी जिंदगी का एक दुखद अनुभव साझा किया, जिसने उनके फैंस को भी सहानुभूति में झोंक दिया। जरीन ने बताया कि उनकी मां की तबीयत गंभीर होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके चलते इस साल ईद का त्योहार उनके लिए सामान्य उल्लासपूर्ण नहीं रह सका। उन्होंने अपने फैंस से मां की सेहत के लिए दुआ करने की अपील भी की। सोशल मीडिया पोस्ट में जरीन ने लिखा कि हालात बहुत तनावपूर्ण हैं और उनका ध्यान इस समय पूरी तरह परिवार की ओर है। उनके फैंस ने उनकी चिंता समझते हुए ढेर सारा प्यार और सपोर्ट भेजा। इस तरह, जरीन की ईद इस बार खुशियों और जश्न की बजाय परिवार और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच गंभीरता से बीती। उनके अनुभव ने यह दिखाया कि कभी-कभी बड़े त्योहार भी व्यक्तिगत चुनौतियों और परिवार की चिंता के चलते शांत और गंभीर हो सकते हैं।

दैनिक पंचांग

26 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.59 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	08.39 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.38 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.07 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.19 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.30 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.45 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.01 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	02.06 बजे से
		कुंभ	03.52 बजे से
		मीन	05.25 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 85 वां दिन दिशाशूल दक्षिण ऋतु बसंत।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि अष्टमी 11.49 बजे को समाप्त। नक्षत्र आर्द्रा 16.19 बजे को समाप्त। योग शोभन 00.32 बजे रात्रि को समाप्त। करण बव 11.49 बजे तदनन्तर बालव 22.56 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 07'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872660
जूलियन दिन 2461125.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल तारीख 06
विशेष दुर्गाष्टमी, राम नवमी, महातारा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक		चर	07.11 से 08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक		रोग	08.43 से 10.15 बजे तक	
चर	10.19 से 11.47 बजे तक		काल	10.15 से 11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक	
काल	02.43 से 04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की अक्ष रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

मान सरकार के मंत्री का इस्तीफा

पंजाब में एक मंत्री के डर से वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के जिला मैनेजर ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने के पहले 12 सेकंड का वीडियो बनाया। जिसमें उसने कहा, खाली सल्फास,मिनिस्टर लालजीत भुल्लर के डर से अब मे नहीं बचता इस वीडियो के वायरल होने के बाद पंजाब में राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप हुये, आम आदमी पार्टी के ईमानदार मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। पंजाब में मंत्रियों की कितनी दहशत अधिकारियों में है। क्यों है, यह आसानी से समझा जा सकता है।

भारत से सीधे चीन की उड़ान दोनों का फायदा?

भारत और चीन के संबंध तेजी के साथ सुधर रहे हैं। भारत सरकार के मंत्री पहले ही कह चुके हैं। चीन की अर्थव्यवस्था भारत के मुकाबले कई गुना ज्यादा है। ऐसे में चीन का मुकाबला संभव नहीं है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के युद्ध में अमेरिका और इजरायल की हालत खराब है। ऐसी हालत में अब चीन के साथ संबंध सुधारना ही एकमात्र विकल्प भारत के पास बचा है। लिपुलेख दर्रे से चीन के साथ माल की आवाजाही शुरू हो गई है। अब चीन और भारत की राजधानी के बीच सीधे हवाई उड़ान को मंजूरी मिल गई है। अब चीन से दुश्मनी नहीं, व्यापारिक दोस्ती हो गई है। जल्द ही भारत और चीन के बीच में एक बार फिर हिंदी-चीनी भाई-भाई के नारे लगेंगे? व्यापार होगा तो दोनों का फायदा होगा।

कला

मुंबई में नवरात्रि उत्सव के दौरान राम नवमी से पहले एक कलाकार राम की प्रतिमा को अंतिम रूप देता हुआ।

गैर-पंजीकृत क्षेत्रों में रोजगार 2025 में 6.18 फीसद बढ़ा

सर्वेक्षण

गैर-पंजीकृत उद्यम क्षेत्र में रोजगार 2025 में 6.18 फीसद बढ़कर 12.80 करोड़ हो गया। इस अवधि के दौरान 74.52 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित हुए। सरकार के एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है।

मंगलवार को जारी गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), 2025 के अनुसार, अक्तूबर, 2023 से सितंबर, 2024 की अवधि के दौरान इस क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या 12,05,99,800 थी जो 2025 में बढ़कर 12,80,51,800 हो गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआइ) ने जनवरी, 2025 से दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम जारी किए हैं। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 7.97 फीसद बढ़कर 2025 (जनवरी 2025-दिसंबर 2025) में 7.92 करोड़ हो गई जो 2023-24 (अक्तूबर 2023-सितंबर 2024) में 7.34 करोड़ थी।

सर्वेक्षण के अनुसार, अन्य सेवाएं क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की संख्या में 10.29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। इसके बाद विनिर्माण क्षेत्र में 6.48 प्रतिशत और व्यापार क्षेत्र में 6.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विस्तार को बताती है। इसी अवधि के दौरान, आर्थिक प्रदर्शन के एक प्रमुख संकेतक सकल मूल्य वर्धन में 10.87 फीसद की वृद्धि हुई।

इसका मुख्य कारण व्यापार क्षेत्र में 16.77 फीसद की वृद्धि, विनिर्माण क्षेत्र में 8.52 फीसद की वृद्धि और अन्य सेवा क्षेत्रों में 7.36 फीसद की वृद्धि थी। हालांकि, व्यापक क्षेत्रों में, जीवीए में अन्य सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 42 फीसद थी। इसके बाद व्यापार (37 फीसद) और विनिर्माण (21 फीसद) का स्थान रहा। क्षेत्र में श्रम उत्पादकता को मापने वाला प्रति श्रमिक सकल मूल्य वर्धन, 2025 में वर्तमान कीमतों पर 4.54 फीसद बढ़कर 1,56,539 रुपए हो गया, जो 2023-24 में 1,49,742 रुपए था।

युद्ध के बाद से साढ़े तीन लाख नए एलपीजी उपभोक्ता हुए सक्रिय

असर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर, दुनिया के तमाम देशों के साथ कमोबेश भारत पर भी पड़ रहा है। खास तौर पर ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने के लिए अन्य देशों से वैकल्पिक मार्गों के जरिए तेल और गैस की खेप पहुंचने का सिलसिला भी जारी है। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर सरकार की तरफ से लगातार प्रोत्साहन के असर के तौर पर पिछले तीन हफ्ते में करीब 3.5 लाख नए पीएनजी कनेक्शन जारी या सक्रिय किए गए।

एलपीजी पर बोझ करने के लिए रसोइ में एलपीजी के इस्तेमाल के बजाय पीएनजी, सौर ऊर्जा, बायोगैस को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि आयात पर निर्भरता धीरे धीरे कम हो सके। ऊर्जा मामलों के विशेषज्ञ देबाजीत पालित ने बताया कि फिलहाल एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए पीएनजी को सरकार की तरफ लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। पीएनजी की देश में पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए लोगों को आपूर्ति में किसी तरह की दिक्कत नही होगी। देश में एलपीजी के करीब 33 करोड़ उपभोक्ता हैं जबकि पीएनजी धारकों की संख्या करीब 1.6 करोड़ हैं। अलग अलग शहरों में आईजीएल, अडाणी टोटल सहित अन्य कंपनियां पीएनजी की आपूर्ति कर रही है। देश में करीब करीब 50 फीसद पीएनजी का उत्पादन होता है। एलपीजी की तुलना में दिल्ली में पीएनजी किफायती है, हालांकि अलग अलग राज्यों में कीमतों में अंतर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक पिछले तीन हफ्तों के दौरान 3.5 लाख से अधिक घरेलू और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन जारी या सक्रिय किए गए हैं। सरकार ने पीएनजी विस्तार के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आबंटन को स्वीकृति दी।

ऊर्जा विशेषज्ञ नरेंद्र तनेजा ने कहा, चीन के बाद भारत प्राकृतिक गैसों का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और करीब 56 फीसद प्राकृतिक गैस का आयात किया जाता है। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जा रहा है और एलपीजी के विकल्प के तौर पर पीएनजी की भूमिका और अहम हो गई है। सरकार की तरफ से पीएनजी प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे उपायों से एलपीजी के कारण पैदा हुई स्थिति में धीरे धीरे और सुधार होने की उम्मीद है।

देश में एलपीजी के करीब 33 करोड़ उपभोक्ता हैं जबकि पीएनजी धारकों की संख्या 1.6 करोड़ हैं। सरकार ने पीएनजी विस्तार के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आबंटन को स्वीकृति दी।

सीबीजी सम्मिश्रण भी बन सकता है अच्छा विकल्प

ऊर्जा विशेषज्ञ ने बताया, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी)के सम्मिश्रण से उत्पादन में बढ़ोतरी से लोगों के लिए सहूलियतें काफी बढ़ सकती हैं। कृषि अवशेषों से तैयार किए जाने वाले बायो गैस का पीएनजी में सम्मिश्रण एक और बेहतर ऊर्जा विकल्प बन सकता है।

ऋषिकेश बन गया है योग की अंतरराष्ट्रीय राजधानी

सफलता

उत्तराखंड का ऋषिकेश अब तक ऋषि मुनियों की तपस्थली के रूप में विश्व विख्यात रहा है, परंतु अब धीरे-धीरे यह योग की अंतरराष्ट्रीय राजधानी का स्वरूप ले रहा है। मार्च का महीना योग के हिसाब से ऋषिकेश के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। यहां एक पखवाड़े तक अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर अलग-अलग संस्थाएं करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में देश-विदेश से बड़ी तादाद में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के योग विशेषज्ञ भाग लेने आते हैं। उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि योग और अध्यात्म की भूमि भी है। राज्य की नैसर्गिक सुंदरता और शुद्ध वातावरण योग साधना के लिए अत्यंत अनुकूल है। 9 मार्च से 15 मार्च तक परमार्थ निकेतन स्वर्ग आश्रम ऋषिकेश में संस्था के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि और साध्वी भगवती के सानिध्य में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विदेशी साधकों ने भाग लिया। इस बार परमार्थ निकेतन में आयोजित 38 वें अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव में 80 देशों के 1800 से ज्यादा योग जिज्ञासु भाग लेने आए और उन्होंने यहां पर एक विश्व शांति यज्ञ का आयोजन किया और पूरे विश्व से युद्ध की जगह योग का मार्ग अपनाने की अपील की।

परमार्थ निकेतन के अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के समापन के अगले दिन 16 मार्च से 22 मार्च तक उत्तराखंड सरकार और गढ़वाल मंडल विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 2500 से ज्यादा योग जिज्ञासुओं ने पंजीकरण कराया और ढाई सौ से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के योगाचार्य योग सिखाने के लिए आए और दस हजार से ज्यादा योग जिज्ञासुओं ने योग और संगीत की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस तरह गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव सफलता के नए आयाम छू रहा है

फाइल फोटो

कार्यालयः- नगर परिषद रामपुर नैकिन जिला सीधी (म.प्र.)

क्र.315,320,322,324/ई-टेन्डर/न.परि./2026 — रामपुर नैकिन दिनांक 18.3.2026

ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा पंजीकृत समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि इस निकाय अंतर्गत स्वच्छता सामग्री, हैंडपंप सामग्री, विद्युत सामग्री, जल प्रदाय सामग्री क्रय किया जाना है [illegible] www.mptenders.gov.in देखा जा सकता है।

क्र.	सिस्टम टेन्डर नं.	निर्माण कार्य	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा फार्म क्रय शुल्क	आपूर्ति की अवधि (माह)
01	2026_UAD_493742_1	SUPPLY OF SWACHATA SAMAGRI	4000000	30000/-	5000/-	31 मार्च 2027
02	2026_UAD_493728_1	SUPPLY OF JALPRADAYA MATERIAL	4000000	30000/-	5000/-	31 मार्च 2027
03	2026_UAD_493760_1	SUPPLY OF ELECTRICAL MATERIAL	4000000	30000/-	5000/-	31 मार्च 2027
04	2026_UAD_493752_1	SUPPLY OF HANDPUMP MATERIAL	4000000	30000/-	5000/-	31 मार्च 2027
05	2026_UAD_493773_1 चतुर्थ निविदा सूचना	वार्ड क्रमांक 07 से [illegible] के घर से उमेश साहू के घर तक पी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य	582791	5827/-	2000/-	कार्यादेश जारी होने के दिनांक से 03 माह तक

● निविदा दिनांक 25.03.2026 को 10.30 बजे से दिनांक 24.04.2026 को सायं 05.30 बजे तक ऑनलाईन क्रय / प्रस्तुत की जा सकती है। ● [illegible]

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद रामपुर नैकिन
जिला सीधी (म.प्र.)

आइपीएल में प्रवीण के नाम है ये अनौखा रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो उनके अलावा कोई भी दूसरा खिलाड़ी नहीं बना पाया है। आरसीबी की ओर से आईपीएल के पहले ही सत्र में साल 2008 में प्रवीण ने अपने पहले ही ओवर में बल्लेबाजों को एक भी रन नहीं बनाने का मौका दिया। इस ओवर में हालांकि तीन अतिरिक्त रन बने पर बल्ले से एक भी रन नहीं गया। आईपीएल का ये पहला ही मैच धमाकेदार रहा। इसमें आरसीबी के प्रवीण के अलावा केकेआर की ओर से ब्रेंडन मैकुलम ने तेजी से खेलते हुए 73 गेंद में 158 रन बनाये। अपनी इस पारी में मैकुलम ने 13 छक्के और 10 छक्के भी लगाए।

केकेआर ने रसेल की जर्सी रिटायर की

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने वेस्टइंडीज के अनुभवी खिलाड़ी आंद्रे रसेल के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनकी 12 नंबर की जर्सी को रिटायर कर दिया है। ऐसे में अब केकेआर का कोई भी खिलाड़ी 12 नंबर की जर्सी में नजर नहीं आयेगा। रसेल लंबे समय से केकेआर के लिए खेलते आये हैं। टीम में उनके अहम योगदान देखते हुए फ्रेंचाइजी ने उनकी जर्सी रिटायर की है। इसी के तहत ही एक कार्यक्रम में रसेल को सम्मानित भी दिया गया। इस अवसर पर वह भावुक हो गए। केकेआर के मुख्य कार्यकार वेंकी मैसूर ने मंच पर रसेल को एक फ्रेम की हुई जर्सी भेंट की और घोषणा की कि अब से केकेआर का कोई भी खिलाड़ी 12 नंबर की जर्सी नहीं पहनेगा।

शाकिब अल हसन की लंबे समय के लिए वापसी चाहते हैं बशर

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नये चयन पैनल के चेयरमैन हबीबुल बशर के आने के बाद टीम में ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। बशर ने साफ किया कि वह न्यूजीलैंड सीरीज ही नहीं लंबे समय तक शाकिब को टीम में शामिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फोकस शाकिब अभी देश में नहीं है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में रहेंगे या नहीं। साथ ही कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्वयं भी खेलना चाहेगा पर उसे भी तैयारी की जरूरत है।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा। अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया। गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

प्रशंसकों की याद में चिन्नास्वामी स्टेडियम की 11 सीटें खाली रहेंगी - आरसीबी

बेंगलुरु। मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कहा है कि गत वर्ष चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की घटना में जान गंवाने वाले दर्शकों की याद में स्टेडियम की 11 कुर्सियों को हमेशा के लिए खाली रखा जाएगा। इससे इन लोगों के प्रति सम्मान प्रकट किया जाएगा। गत वर्ष आईपीएल में आरसीबी की जीत के बाद उसे जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत हो गयी थी। आरसीबी ने सीट खाली रखन को फैसला राज्य क्रिकेट संघ के साथ बैठक के बाद लिया है। इस फैसले के तहत स्टेडियम के एक प्रमुख स्टैंड की 11 सीटों को अब खाली रखा जाएगा। आईपीएल ही नहीं घरेलू टूर्नामेंट और अंतरराष्टीय मैचों में भी ये नियम लागू रहेगा।

आरसीबी इस सत्र में अपना शुरुआती मैच 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच से पहले भगदड़ में मारे गए सभी 11 प्रशंसकों की याद में स्टेडियम के मुख्य द्वार पर एक स्मारक पट्टिका बनाई गई है। मैच शुरू होने से पहले उन 11 प्रशंसकों के नाम भी स्क्रीन पर दिखाए जाएंगे। अभ्यास सत्र के दौरान आरसीबी के सभी खिलाड़ी 11 नंबर की जर्सी पहनकर इन दिवंगत प्रशंसकों के प्रति संवेदना जताएंगे। इन प्रशंसकों की आत्मा की शांति के लिए पूरे स्टेडियम में 1 मिनट का मौन भी रखा जाएगा।पिछले साल हुई भगदड़ को देखते हुए आरसीबी ने स्टेडियम और आसपास की भीड़ को संभालने के लिए इस बार कई इंतजाम भी किये हैं जिससे किसी भी भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल हैं बुमराह के नाम

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य नये रिकार्ड बनाना रहेगा। बुमराह ने आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनकी गेंदबाजी में एक कमी भी रही है और वह ये कि बुमराह आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल फेकने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने अपने करियर में अब तक कुल 32 नो बॉल किये हैं। वहीं बुमराह के अलावा उमेश यादव 24 और ईशांत शर्मा 23भी इस सूची में शामिल हैं।

बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए साल 2013 में पदर्पण के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मुंबई के लिए डेब्यू के बाद से ही वह इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और वह टीम के सबसे मुख्य गेंदबाज बने हैं। इस लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ही वह सबकी नजरों में आये थे। भारतीय टीम में उनके प्रवेश के पीछे भी आईपीएल में किया प्रभावी प्रदर्शन रहा है। आईपीएल करियर की बात करें तो बुमराह ने अबतक कुल 145 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने मुंबई के लिए 22.02 की औसत से कुल 182 विकेट लिए हैं।

आईपीएल 2026 में संजू सैमसन के पास बड़ा मौका

- धोनी के खास क्लब में शामिल होने की दहलीज पर

नई दिल्ली। संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई और अब उनकी नजर आईपीएल 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने पर टिकी है। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में नाबाद 97, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन की अहम पारियां खेलकर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया।

अब आईपीएल में भी अगर वह इसी फॉर्म को बरकरार रखते हैं, तो एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। दरअसल, विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर 5000 या उससे ज्यादा रन बनाने का कारनामा अभी तक सिर्फ एमएस धोनी ने किया है। धोनी ने 2008 से 2025 के बीच 278 मैचों की 242 पारियों में 5439 रन बनाए हैं, जिसमें 24 अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि केएल राहुल के नाम भी 5000 से ज्यादा रन हैं, लेकिन उन्होंने अपने पूरे करियर में हर मैच विकेटकीपर के रूप में नहीं खेला है। संजू सैमसन इस खास क्लब में शामिल होने के बेहद करीब हैं। उन्होंने 2013 से 2025 के बीच 177 मैचों की 172 पारियों में 3 शतक और 26 अर्धशतक की मदद से 4704 रन बनाए हैं। उन्हें 5000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल 296 रनों की जरूरत है। अगर वह यह मुकाम हासिल कर लेते हैं, तो आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन जाएंगे। आगामी सीजन सैमसन के लिए इसलिए भी खास रहने वाला है क्योंकि इस बार वह चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते नजर आएंगे, जहां उन्हें धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलेगा। इससे पहले वह लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे और 2021 में टीम की कप्तानी भी संभाली। उनकी कप्तानी में टीम 2022 में फाइनल तक पहुंची थी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल अनुष्का को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुभकामनाएं भी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ग्वालियर की अनुष्का शर्मा को दक्षिण अफीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार शाम ग्वालियर एयरपोर्ट पर अनुष्का का स्वागत कर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 17 अप्रैल से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

22 वर्षीय बैटिंग ऑल राउंडर अनुष्का ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया था। उसी के आधार पर उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली महिला टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड का दौरा करेगी। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वालों को ही विश्वकप में जगह मिलेगी। भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा 17 अप्रैल से शुरू हो रहा है, जहां उसे मेजबान टीम से पांच मैचों की टी 20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए अनुष्का को पहली बार शामिल किया गया है।

अनुष्का शर्मा दाएं हाथ की बल्लेबाज होने के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करती हैं इससे पहले डब्ल्यूपीएल में उन्हें गुजरात जायंट्स ने 45 लाख रुपये में खरीदा था। उन्होंने अपनी टीम की ओर से 7 मैचों में 129.19 के स्ट्राइक रेट से कुल 177 रन बनाए थे। उनका सबसे अधिक स्कोर 44 रन रहा था। डब्ल्यूपीएल में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद अनुष्का ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भी प्रदर्शन करते हुए इंडिया-ए के लिए पांच मैचों में 116 रन बनाए थे।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल - जितेश

मुम्बई। विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं। उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है। पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी। इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं। इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है।

वहीं दक्षिण अफीक के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने वैभव को अंडर-19 में बल्लेबाजी करते हुए देखा है। डिविलियर्स ने कहा, जब आपको आईपीएल और बड़ी क्रिकेट लीग का अनुभव मिलता है और आप फिर भी उसी स्तर का प्रदर्शन करते हैं, तो यह आसान नहीं होता।

उन्होंने जिस तरह से अंडर-19 विश्व कप में खेला, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं। उन्होंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला। जैसे उन्होने आईपीएल में खेला, वैसे ही वहां भी खेला।

आरसीबी के नये चेयरमैन आर्यमान रहे हैं क्रिकेटर

मुम्बई। आरसीबी के नये चेयरमैन बने आर्यमान विक्रम बिरला भी एक समय क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेला है। तब आर्यमान ने रजत पाटीदार के साथ पारी की शुरुआत भी की थी। ऐसे में उन्हें क्रिकेट की गहरी समझ है। आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप की अगुआई वाली एक कंसोर्टियम ने 1.78 अरब तकरीबन 16660 करोड़ रुपये में खरीदा है। वहीं साल 2008 में आईपीएल की शुरुआत के समय किंगफिशर के विजय माल्या ने आरसीबी को 11.16 करोड़ डॉलर यानी करीब 464 करोड़ रुपये में खरीदा था।

इस तरह फ्रेंचाइजी की कीमत साल 2008 से अब तक 1495 फीसदी बढ़ गई है। आर्यमान मशहूर उद्योगपति परिवार बिरला से आते हैं। आर्यमान बिरला की हमेशा से खेल में रुचि रही और वह मध्य प्रदेश की तरफ से बल्लेबाज के तौर पर घरेलू क्रिकेट में उतरे हैं। आर्यमान ने साल 2017 में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। 2018 में ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान में उन्होंने बंगाल के खिलाफ शतक लगाया था।

आर्यमान ने अपने करियर में 9 फर्स्ट क्लास मैच खेले जिसमें उनके नाम 27.60 की औसत से 414 रन दर्ज हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं। 2018 की आईपीएल नीलामी में आरआर ने उन्हें 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। वहीं आईपीएल 2020 से पहले राजस्थान रॉयल्स ने बिरला को रिलीज कर दिया था। उसके बाद बिरला ने क्रिकेट से दूरी बना ली थी। आर्यमान ने अंतिम बार जनवरी 2019 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। तब उन्होंने इंदौर में आंध्र प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। उसके बाद वह कभी पेशेवर क्रिकेट नहीं खेले। 28 वर्ष के आर्यमान विक्रम बिरला आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद आरसीबी की चेयरमैनशिप संभालेंगे। टाइम्स इंटरनेट लिमिटेड के चेयरमैन सत्यन गजवानी आरसीबी के वाइस-चेयरमैन होंगे।

आरसीबी सबसे महंगी बिकी, आदित्य बिरला ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन ने 16,660 करोड़ रुपये में खरीदा

बेंगलुरु। राजस्थान रॉयल्स के बाद अब आईपीएल फ्रैंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगुलरु (आरसीबी) भी बिक गयी है। यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) की अगुवाई वाले इस समूह को आदित्य बिरला ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन ने मिलकर (1.78 अरब डॉलर) करीब 16,660 करोड़ रुपये में खरीदा है।

इस सौदे में आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों ही टीमों को शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये सबसे महंगा सौदा बना गया है। इससे पहले रॉयल्स का करार 1.63 अरब डॉलर करीब 15,289 करोड़ में हुआ था। आरसीबी के सौद के बाद आदित्य बिरला समूह के आर्यमान बिड़ला आरसीबी के चेयरमैन बनाये गये हैं जबकि टाइम्स इंटरनेट इंडिया लिमिटेड के सत्यन गजवानी उप प्रमुख होंगे। इस कंसोर्टियम में शामिल अन्य लोग बोल्ट वेंचर्स के फाउंडर डेविड ब्लिट्जर और बीएक्सपीई के सीईओ विरल पटेल हैं। इन चार ग्रुप्स के एक ग्रुप ने आरसीबी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए करार किया है। हालांकि, इस सौदे को अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल संचालन समिति के साथ-साथ महिला प्रीमियर लीग और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से औपचारिक मंजूरी लेनी होगी। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स को अमेरिका स्थित काल सोमानी के समूह ने 1.63 अरब डॉलर में खरीदा था।

आईपीएल की इन दो टीमों को नई ओनरशिप आईपीएल 2026 के बाद मिलेगी। इसकी आधिकारिक घोषणा भी जल्द हो सकती है।

आरसीबी के नये चेयरमैन आर्यमान स्वयं एक क्रिकेटर रहे हैं। वहीं आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने एक बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों में आईपीएल वैश्विक स्तर पर खेल का पावरहाउस बना है, जिसने भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदल दिया है और भारत की गरिमा को बढ़ाया है। आधुनिक समय मे आरसीबी सबसे जबरदस्त फ्रेंचाइजी में से एक है, जो आदित्य बिड़ला ग्रुप को अपनी विरासत को वैश्विक खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्लेटफॉर्म देती है। हम इस संपत्ति के संरक्षक बनकर खुश हैं और इस असाधारण विरासत को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

आईपीएल में वापसी को तैयार हैं

तेज गेंदबाज मयंक यादव

लखनऊ। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल के इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। मयंक ने कहा कि पहले वह अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे पर अब वह करियर को बचाने के लिए काफी सजग हैं।

मयंक को कई बार चोट के कारण खेल से दूर होना पड़ा है। आईपीएल 2024 में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा था। इसके बाद वह लगातार चोट से परेशान रहे और आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए। अब वह बेंगलुरु के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिहैबिलिटेशन पूरा करके आईपीएल में वापसी को तैयार हैं। मयंक ने कहा, 'सर्जरी के बाद मेरे लिए सब कुछ बदल गया। पहले मैं अपना ध्यान नहीं रखता था। रिकवरी सत्र से बचता था और कई चीजों को नजरअंदाज करता था पर अब मैं रिकवरी, पोषण और नींद पर पूरा ध्यान देता हूं। जितना मैं अपने शरीर का सम्मान कर रहा हूं, उतना ही मेरा शरीर भी मैदान पर मेरा साथ दे रहा है।'मयंक ने कहा कि एनसीए में उनकी मुलाकात जसप्रीत बुमराह से हुई, जिन्होंने भी ऐसी ही सर्जरी कराई थी। उनके साथ मेरा अच्छा तालमेल है। उन्होंने इसको लेकर मुझे काफी सुझाव दिये जिनका मैं अब पालन कर रहा हूं। तब उन्होंने कहा था कि सर्जरी के बाद वापसी करने पर किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। इस बारे में उनके अनुभवों से मुझे सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि रिकवरी के दौरान शरीर कैसा महसूस करेगा और इस कठिन समय का सामना कैसे करना है। मयंक का अब तक का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। साल 2022 में आईपीएल में प्रवेश के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था। दो सीजन बाद 2024 में उन्हें डेब्यू का अवसर मिला। इस गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में ही 150 किमी की गति से गेंदबाजी कर सभी को हैरान कर दिया।

आईपीएल में प्रशांत वीर सहित इन उभरते हुए खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार प्रशांत किशोर सहित पांच उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने के इरादे से उतरेंगे। आईपीएल एक ऐसा मंच है जिसपर उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिलता रहा है और ये ही इस बार भी हो रहा है। प्रशांत वीर -चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत को 14.2 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। प्रशांत निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बाएं के एक अच्छे स्पिनर हैं। जिसकी घूमती हुइ गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। प्रशांत को ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा की कमी करने शामिल किया गया है। ऐमें सभी की नजरें उनपर रहेंगी। यूपी टी20 लीग 2025 में प्रशांत ने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 320 रन बनाए थे, जबकि 6.69 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट भी निकाले थे। कार्तिक शर्मा- कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में 14.2 करोड़ की मोटी रकम लगाकर खरीदा है। कार्तिक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण सभी की नजरों में आये। लंबे-लंबे छक्के लगाना कार्तिक की खूबी है। आकिब नबी डार- तेज गेंदबाज आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी से जम्मूकश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही।

आईपीएल 2026 से पहले टीमों को झटका, 9 विदेशी खिलाड़ी शुरुआती मैचों से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है, लेकिन सीजन के आगाज से पहले ही कई टीमों को बड़ा झटका लगा है। फिटनेस और अन्य कारणों के चलते कुल 9 विदेशी खिलाड़ी शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, जिससे टीम संयोजन पर असर पड़ना तय है। खास बात यह है कि इनमें चार खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के हैं, जो अपनी-अपनी टीमों के लिए अहम भूमिका निभाते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पूरी तरह फिट नहीं हैं और शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कमान ईशान किशन को सौंपी गई है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी चोट से उबर रहे हैं और संभावना है कि वह 12 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे। दिल्ली कैपिटल्स को भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उनके स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया है। इसके अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाड़ी मैथ्यू शॉर्ट अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे।

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी शुरुआती सात मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि वह पारिवारिक कारणों से अपने देश में हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा पथिराना भी सीजन के पहले दो हफ्तों के लिए बाहर रहेंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल हैं और उनके शुरुआती मैचों में खेलने पर संशय बना हुआ है। सनराइजर्स हैदराबाद के ही ईशान मलिंगा कंधे की चोट के चलते श्रीलंका में हैं और फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही टीम से जुड़ पाएंगे। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नुवान तुषारा को भी फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद ही खेलने की अनुमति मिलेगी।

क्षीरधारा ग्राम योजना से होगा दूध उत्पादन दोगुना

रीवा (कीर्तिप्रभा). मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा खेती के साथ-साथ दुधारू पशुपालन पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी के प्रदेश में दूध उत्पादन को दोगुना करने के संकल्प को पूरा करने के लिए क्षीरधारा ग्राम योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत पशुपालन विभाग अन्य विभागों के सहयोग से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुआयामी प्रयास कर रहा है। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन ने बताया कि क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत पशुपालन विभाग द्वारा दुधारू पशुओं के नस्ल सुधार, उन्नत पशुपालन इकाईयों की स्थापना, दुधारू पशुओं की स्वास्थ्य रक्षा एवं पोषण तथा गोपालन को प्राकृतिक खेती से जोड़कर गांव को तीन वर्ष में क्षीरधारा ग्राम के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। उप संचालक ने बताया कि वन क्षेत्रों, वन्यजीव अभ्यारण्य तथा नेशनल पार्कों की पाँच किलोमीटर की परिधि में स्थित गांवों में दो चरणों में क्षीरधारा ग्राम योजना लागू की जा रही है। जागरूक पशुपालकों तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सहयोग से दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार, हरा चारा उत्पादन तथा पशुओं के टीकाकरण का प्रयास किया जाएगा। निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में आश्रय देने के लिए ग्रामीण विकास विभाग का सहयोग लिया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय जिला स्तरीय क्षीरधारा ग्राम संयुक्त समन्वय समिति गठित की गई है। यह समिति दूध का उत्पादन दोगुना करने के लिए पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रयासों में समन्वय करेगी।

उप संचालक ने बताया कि क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत कृषि विकास हरे चारे के उत्पादन, प्राकृतिक खेती, बायोगैस एवं गोबर गैस संयंत्रों की स्थापना तथा जैविक खाद बनाने के लिए किसानों को प्रशिक्षण देगा। पशुपालन विभाग से समन्वय बनाकर दुधारू पशुओं के लिए हरा चारा उपलब्ध कराएगा। ग्राम स्तरीय दुग्ध सहकारी समितियों तथा कृषि उत्पादक संगठनों एफपीओ के माध्यम से दोनों विभागों की योजनाओं में समन्वय किया जाएगा। प्राकृतिक खेती के लिए गोबर और गोमूत्र से खाद तथा कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण किसानों को दिया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग स्वसहायता समूहों के माध्यम से पशुपालन को बढ़ावा देगा।

जिला स्तरीय फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण संपन्न

जनगणना कार्य का दिया जा रहा है प्रशिक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) वर्ष 2026-27 में कराई जाने वाली जनगणना के प्रथम चरण का प्रशिक्षण फील्ड ट्रेनर्स को दिया जा रहा है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में 24 से 26 मार्च तथा 30 मार्च एवं एक व 2 अप्रैल को जिला स्तरीय फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

प्रशिक्षण में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने प्रशिक्षार्थियों से कहा कि इस बार की जनगणना ऑनलाइन माध्यम से हो रही है। जनगणना का कार्य महत्वपूर्ण कार्य है। जिला स्तरीय फील्ड ट्रेनर्स का कार्य और भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इनके द्वारा ही प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। कलेक्टर ने फील्ड ट्रेनर्स से अपेक्षा की कि गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें ताकि प्रगणकों को अच्छे ढंग से प्रशिक्षण दे सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण टू वे हो और प्रशिक्षक से सभी शंकाओं का समाधान करें। कलेक्टर ने प्रशिक्षण की सभी तैयारियों व व्यवस्थायें पूर्व में ही कर लेने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर राजेश सिन्हा, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल सहित मास्टर ट्रेनर्स व जिला स्तरीय प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

सलाहकार समिति की बैठक आज

स्वास्थ्य विभाग के तहत गठित पीसी एण्ड पीएनडीटी की जिला सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को आयोजित की गयी। बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सभागार में दोपहर बाद 3 बजे आरंभ होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से प्रस्थान कर 26 मार्च को सुबह 5.40 बजे मैहर पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री मैहर में माँ शारदा के दर्शन तथा पूजा-अर्चना करने के बाद सुबह 10 बजे कार द्वारा प्रस्थान कर सुबह 11.30 बजे रीवा पहुंचेंगे।

मऊगंज जिला चिकित्सालय को मिली बड़ी सौगात

मऊगंज जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिला चिकित्सालय मऊगंज में नवनिर्मित डायलिसिस यूनिट का विधिवत उद्घाटन किया। इस नई सुविधा के प्रारंभ होने से अब किडनी रोगों से ग्रसित स्थानीय मरीजों को डायलिसिस के लिए रीवा या अन्य बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। जिला चिकित्सालय में स्थापित की गई चार डायलिसिस मशीनों की कुल लागत लगभग 35 लाख रुपये है। विशेष बात यह है कि इस पुनीत कार्य में प्रशासनिक प्रयासों के साथ-साथ जनभागीदारी का भी उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला है। 04 मशीनों में से 02 मशीनें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और रेडक्रॉस सोसाइटी के वित्तीय सहयोग से प्राप्त हुई है।

इस अवसर पर कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा कि मऊगंज को जिला बनाए जाने के बाद स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सकीय स्टाफ को निर्देशित किया कि डायलिसिस यूनिट का संचालन नियमित एवं व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जाए ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डायलिसिस सुविधा शुरू होने से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें घर के समीप ही निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मशीनों के रखरखाव और मरीजों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि सुचारू रूप से सेवाएं संचालित होती रहें। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर पवन गौरैया, बीएमओ डॉ प्रद्युम्न शुक्ला, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ज्योत्सना अग्रवाल सहित चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वीडियो कान्फ्रेसिंग से आज करेंगे समीक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा) मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन 26 मार्च को शाम 4 बजे से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से आयोजित बैठक में निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। बैठक में गेंहू उपार्जन, खाद वितरण, प्राकृतिक खेती, एलपीजी की उपलब्धता और वितरण, पेयजल व्यवस्था, जल गंगा संवर्धन अभियान, संकल्प से समाधान अभियान, कानून व्यवस्था तथा सुशासन के बिन्दुओं की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर बीएस जामोद ने संबंधित अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

फरार आरोपी पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित

मऊगंज पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने फरार आरोपी रामरक्षा कोल निवासी लोढ़ी की सूचना देने या गिरफ्तारी कराने पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है।

मुख्यमंत्री को जन्मदिवस पर उप मुख्यमंत्री ने दी शुभकामना

रीवा (कीर्तिप्रभा) मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्मदिवस पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास में भेंट कर शुभकामनाएँ दीं।

लघु उद्योग संवर्धन समिति की बैठक 30 मार्च को

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक 30 मार्च को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गयी है। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी ने बताया कि बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन, विकास नीति एवं योजना के क्रियान्वयन के साथ ही जिला स्तर पर उद्योगों में आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में चर्चा की जायेगी।

एमपी टास पोर्टल में छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च

रीवा (कीर्तिप्रभा) पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए एमपी टास पोर्टल मे आवेदन पत्र 31 मार्च तक जमा किये जा सकते है। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण ने जिले के शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों से अपेक्षा की है कि निर्धारित समयावधि मे पात्र विद्यार्थियों के आवेदन प्रस्तुत किये जांय ताकि उनका परीक्षण कर पोर्टल पर अगल चरण हेतु अग्रेषित किया जा सके।

कमिश्नर ने आमजनता के आवेदन पत्रों में की सुनवाई

रीवा (कीर्तिप्रभा) कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। मधुसूदन तिवारी ने खसरे में सुधार तथा रामनिहोर कुशवाहा ने तहसील के आदेश के अमल दरामद कराने के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर संबंधित एसडीएम को कार्यवाही के निर्देश दिए। बलराम यादव ने शासकीय भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को रोकने तथा गुलजार प्रसाद तिवारी सेवानिवृत्त सहायक ग्रेड दो वन विभाग ने पेंशन भुगतान के लिए आवेदन दिया। कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को तत्परता से कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजेश श्रीवास्तव, मेघराम चतुर्वेदी, उमेश पाण्डेय, रामनिवास, समयलाल तथा अन्य आवेदकों के आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संयुक्त एसडीएम कार्यालय में साफ-सफाई के लिए आवेदन आमंत्रित

रीवा (कीर्तिप्रभा). संयुक्त एसडीएम कार्यालय हुजूर में साफ-सफाई के लिए पंजीकृत एजेंसी/फर्म से निविदा आमंत्रित की गयी है। निविदा एक अप्रैल को शाम 4 बजे तक कार्यालय में जमा की जा सकती है।

जल संरक्षण के कार्यों में हर विभाग सहभागिता निभाए - कमिश्नर

रीवा (कीर्तिप्रभा) कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए विभागवार कार्ययोजना बना दी गई है। हर विभाग जल संरक्षण के कार्यों में सहभागिता निभाएं। नदियों के जल ग्रहण क्षेत्रों में वृक्षारोपण, उद्गम स्थलों की साफ-सफाई तथा पुराने जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के कार्य प्राथमिकता से कराएं। कमिश्नर ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए चिन्हित 90 क्लस्टर में किसानों को प्रशिक्षित करें। इन क्षेत्रों में गोपालन को बढ़ावा दें। नरवाई जलाने की घटना रोकने के लिए भी किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाएं। खाद का वितरण अब केवल ई टोकन के माध्यम से कराएं। सभी किसानों की फार्मर आईडी बनाने तथा उन्हें सहकारी समितियों का सदस्य बनाने पर भी विशेष ध्यान दें।

कमिश्नर ने कहा कि मछलीपालन विभाग में सीधी और सिंगरौली जिले में बायोफ्लॉक का निर्माण कराएं। इन जिलों में भौतिक और वित्तीय प्रगति संतोषजनक नहीं है। कमिश्नर ने उप संचालक उद्यानिकी को उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र विस्तार तथा विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किसानों को अनुदान की राशि जारी कराएं। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में सात अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन शुरू हो रहा है। सभी खरीदी केन्द्रों में शासन के मापदण्डों के अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। पंजीकृत किसानों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। मिलर्स से चर्चा करके धान की मिलिंग में तेजी लाएं जिससे गेंहू भण्डारण के लिए गोदाम उपलब्ध हो सकें। पेट्रोलियम पदार्थों तथा एलपीजी के वितरण पर निगरानी रखें। जिन स्थानों से एलपीजी के सिलेण्डर एजेंसियों को प्राप्त हो रहे हैं वहाँ सम्पर्क करके सिलेण्डरों की आपूर्ति बढ़ाएं। रीवा और मैहर जिले में एलपीजी वितरण पर विशेष ध्यान दें। कमिश्नर ने कहा कि सभी बसाहटों में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। हैण्डपंपों के सुधार के लिए अतिरिक्त राइजर पाइप एवं सिंगल फेज मोटर की तत्काल व्यवस्था करें। एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य पूरा कराकर उन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराएं। बैठक में कमिश्नर ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों के निराकरण, राहत राशि के वितरण तथा पशुपालन विभाग की योजनाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त एलएल अहिरवार तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला सलाहकार समिति में 124 राहत प्रकरणों को दी गई मंजूरी

रीवा (कीर्तिप्रभा) जनजातीय कार्य विभाग के तहत अत्याचार निवारण अधिनियम की जिला सलाहकार समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गई। बैठक में अत्याचार पीड़ितों के लिए 124 प्रकरणों में 92 लाख 37 हजार 500 रुपए की राहत राशि मंजूर की गई। बैठक में विधायक मनगवां इंजीनियर श्री नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण के लिए संचालित जिन योजनाओं में बजट का अभाव है उनके लिए तत्काल मांग करें। मांग पत्र की प्रति मुझे भी उपलब्ध कराएं। मऊगंज जिले के प्रकरणों की सुनवाई के लिए मऊगंज में विशेष न्यायाधीश की नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव भी तत्काल भेजें। विधायक ने अत्याचार पीड़ितों को राहत राशि वितरण के लिए आयुक्त जनजातीय कार्य से मोबाइल फोन पर चर्चा करके शीघ्र राशि आवंटन करने का अनुरोध किया।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि समिति की नियमित बैठक करके लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। पुलिस विभाग के सहयोग से अनुसूचित जाति और जनजाति बहुल क्षेत्रों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। बैठक में जिला संयोजक केके पाण्डेय ने बताया कि अनुसूचित जाति के 83 प्रकरणों के लिए 60 लाख रुपए तथा अनुसूचित जनजाति के 41 पीड़ितों को राहत राशि देने के लिए 32 लाख 37 हजार 500 रुपए मंजूर किए गए हैं। विभाग से आवंटन प्राप्त होते ही पीड़ितों को राहत राशि वितरित की जाएगी। दर्ज प्रकरणों में पीड़ितों और गवाहों के यात्रा भत्ता तथा आहार व्यय अनुदान के लिए सात लाख 50 हजार रुपए आवंटित करने की मांग की गई है। बैठक में ग्राम सभाओं में अत्याचार पीड़ितों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी देने तथा ग्राम पंचायतों में विभागीय योजनाओं की जानकारी के फ्लैक्स लगाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में एसडीओपी प्रभारी अजाक उदित मिश्रा, सहायक संचालक रूचि तिवारी तथा समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

डिप्टी कलेक्टर पंजीकृत किसानों के सत्यापन की करेंगे मानीटरिंग

रीवा शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सात अप्रैल से पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों द्वारा ऑनलाइन दर्ज गेंहू के रकबे का गिरदावरी में दर्ज विवरण तथा मौके पर जाकर राजस्व अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने रायपुर कर्चुलियान तहसील में पटना और लक्ष्मणपुर गांव में जाकर किसानों द्वारा बोई गई फसल का सत्यापन किया। सभी एसडीएम और तहसीलदार रकबे का सत्यापन कर रहे हैं। कलेक्टर ने पंजीकृत किसानों द्वारा दर्ज रकबे के सत्यापन की मानीटरिंग के लिए डिप्टी कलेक्टर तैनात किए हैं। संयुक्त कलेक्टर सुधीर कुमार बेक को त्योंथर, मनगवां तथा रायपुर कर्चुलियान तहसील की जिम्मेदारी दी गई हैं। डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा जवा, सिरमौर तथा गुढ़ तहसील एवं डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन हुजूर नगर, सेमरिया तथा हुजूर ग्रामीण तहसीलों में मानीटरिंग करेंगी। इन अधिकारियों द्वारा राजस्व अधिकारियों द्वारा सत्यापित रकबे का रैण्डमली सत्यापन करके रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। कलेक्टर ने एक सप्ताह में सत्यापन कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव के व्हीसी के एजेण्डा बिन्दुओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मुख्य सचिव द्वारा लिये जाने वाली ऑनलाइन बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिव द्वारा 26 मार्च को व्हीसी के माध्यम से विभिन्न विषयों की समीक्षा की जायेगी।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि एजेण्डा बिन्दुओं में आवश्यक प्रगति हो। खाद की उपलब्धता, कामधेनु योजना, पेयजल उपलब्धता सुशासन आदि विषयों पर अपेक्षित प्रगति के निर्देश कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये गये। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की दैनिक प्रगति की रिपोर्ट आनलाइन पोर्टल में प्रस्तुत करने तथा संकल्प से समाधान अभियान में प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को 26 मार्च को नियत समय में एनआईसी में उपस्थित रहने के निर्देश दिये। बैठक में पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा संगम कार्यक्रम अन्तर्गत रोजगार मेले में 140 युवाओं को मिला रोजगार

मऊगंज . युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय देवतालाब में रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 217 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 11 कंपनियों ने 140 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में शामिल कंपनी बजाजआयसर में 8, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा.लि. रीवा में 10, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. रीवा में 37, सीआईआई एमसीसी इंदौर में 14, जेके टायर्स मुरैना में 4, बंसल वायर इन्डस्ट्रीज लि. ग्रेटर नोयडा में 6 तथा एसबीआई लाइफ इन्श्योरेंस रीवा में 20 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये।

सीएम हेल्पलाइन की नॉन-अटेंडिंग शिकायतों पर अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी तय - कलेक्टर

मऊगंज . कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में टी.एल. समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रभावी कार्य करें। पिछली बार इस अभियान के जो कार्य अपूर्ण है, उन्हें पूर्ण करायें। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि नॉन-अटेंडिंग शिकायतों तथा 50 दिनों से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में कम प्रगति लाने वाले अधिकारियों से कहा कि संतुष्टिजनक प्रगति नहीं आने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तथा एसीएस के बैठकों में दिये निर्देशों का पालन प्रतिवेदन देने और जो भी प्रकरण लंबित है उन पर कार्य करें। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत

सहयोगी व उप सहयोगी समिति का गठन करने, गौर नदी के पुनर्जीवन, पुस्तक मेला, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना और हिरण्यगर्भा अभियान के साथ गौशालाओं के लिए भूमि आवंटन के संबंध में आवश्यक निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये।

बैठक में कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ, चना एवं भावांतर योजना में सरसो खरीदी के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए जिले में 26 केंद्र बनाये गए है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों का सत्यापन किया जा रहा है। भावांतर योजना में सरसो की खरीदी एक अप्रैल से प्रारंभ हो रही है। जिले में सरसो विक्रय के लिए किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ एवं चना तथा भावांतर योजना में सरसों खरीदी के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने एसडीएम एवं मंडी सचिवों को निर्देशित किया गया कि सरसो की खरीदी करने वाले व्यापारियों के स्टॉक का सत्यापन करें और भावांतर योजना में सरसो की खरीदी के दौरान कड़ी निगरानी रखें।

बैठक में राजस्व वसूली, समग्र ई-केवायसी, फार्मर रजिस्ट्री प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैदानी अमले के माध्यम से अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने संकल्प से समाधान के तहत प्राप्त आवेदनों में कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही स्थाई समाधान खोजना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण करें । बैठक में आई गोट कर्मयोगी पोर्टल में अंतर्गत चिन्हित विषयों में दस-दस कोर्स करने के निर्देश दिये गये। जिनमें पांच विभागीय हों तथा पांच अन्य विषय से संबंधित कोर्स हों। इस अवसर पर अपर कलेक्टर पी.के. पांडेय, संयुक्त कलेक्टर ए.पी. द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर पवन गौरिया एसडीएम मऊगंज, एसडीएम हनुमना सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र, * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।